मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 335
गुरुवार, 25 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

# सुप्रीम कोर्ट का प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की फीस में दखल देने से इनकार, कहा- देश को डॉक्टरों की जरूरत

**नई दिल्ली, 24 जून।** चिकित्सा शिक्षा का सपना देखने वाले युवाओं के संघर्ष और सरकारी स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट से दो बड़े संदेश सामने आए हैं।

देश में डॉक्टरों की कमी और चिकित्सा शिक्षा की सुलभता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद मानवीय और व्यावहारिक रुख अपनाया है। एक तरफ जहां कोर्ट ने प्राइवेट मेडिकल कालेजों की फीस तय करने में दखल देने से मना कर दिया, वहीं दूसरी तरफ सरकारी सेवा में कार्यरत डाक्टरों की विशेषज्ञता को जनहित के लिए अनमोल बताया।

कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि राजस्थान के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में फीस बहुत ज्यादा है।

राजस्थान के एक मेडिकल छात्र ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि राजस्थान के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की सालाना फीस 18.90 लाख से 25 लाख रुपये के बीच है, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की आठ लाख रुपये की सालाना आय सीमा के बिल्कुल विपरीत है।

ऐसे में ईडब्ल्यूएस वर्ग का कोई मेधावी छात्र डॉक्टर कैसे बनेगा? याचिकाकर्ता छात्र ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के तहत राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी)-2025 में शामिल हुआ था।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने इस दर्द को समझा, लेकिन

व्यावहारिक पक्ष रखते हुए याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा, 'हमें इस देश में डॉक्टरों की जरूरत है।' लेकिन इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति यह मांग नहीं कर सकता कि स्व-वित्तपोषित (प्राइवेट) संस्थान भी सरकारी संस्थानों के बराबर ही फीस वसूलें।

कोर्ट ने छात्र को याद दिलाया कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए स्कॉलरशिप (छात्रवृत्ति) का विकल्प हमेशा खुला रहता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इन्कार कर दिया।

इसी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के सामने तमिलनाडु का एक और संवेदनशील मामला आया। 'तमिलनाडु मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन' ने याचिका दायर कर मांग की थी कि शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के लिए खाली रह गईं 152 इन-सर्विस सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल सीटों को 'अखिल भारतीय कोटा' में सरेंडर करने से रोका जाए।

इस मामले पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया और केंद्र एवं तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने सरकारी डॉक्टरों की भूमिका की सराहना करते हुए एक बेहद भावपूर्ण टिप्पणी की - 'एक सरकारी डाक्टर अगर उच्च कौशल और विशेषज्ञता हासिल करता है, तो वह किसी निजी डॉक्टर की तुलना में सार्वजनिक स्वास्थ्य की बेहतर सेवा कर सकेगा।'

कोर्ट ने माना कि सेवा में रहते हुए पढ़ाई करने वाले डॉक्टर एक विशेष श्रेणी में आते हैं।

# मल्लिकार्जुन खड़गे का शिक्षा मंत्री पर हमला, मांगा इस्तीफा

**नई दिल्ली, 24 जून।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर NEET पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाया। पर एक पोस्ट में, खड़गे ने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल के दौरान 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ठएएळ पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

खड़गे ने कहा कि 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है, NEET पेपर लीक की वजह से 20 बच्चों ने अपनी जान दे दी है और कई परिवार बर्बाद हो गए हैं। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी

से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देते समय 'स्टूडेंट्स इको' को 'आतंकवादी' कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है।

किसानों के विरोध-प्रदर्शन का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहा था। खड़गे ने जोर देकर कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में जोर पकड़ेगा और उन्होंने प्रधान के इस्तीफे की मांग की। देश यह नहीं भूला है कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद संसद में किसानों के हितैषियों को अपमानजनक ढंग से 'आंदोलन-जीवी' और 'परजीवी' कहा था। उन्होंने कहा कि जो कोई भी इस सरकार से सवाल करता है, उसे देश-विरोधी कहा जाता है। 'छात्रों की गूंज' पूरे देश में जोरदार ढंग से सुनाई देगी। मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को इस्तीफा देना होगा।

इससे पहले, एक इंटरव्यू में प्रधान ने कहा था कि जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शन विघटनकारी तत्वों की 'बी-टीम' हैं। इंटरव्यू में प्रदर्शनकारियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे विघटनकारी तत्वों की 'बी-टीम' हैं। जो लोग लोकतंत्र में नकार दिए गए थे, वे अब भेष बदलकर आए हैं और सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं।

# भारी बारिश भूस्खलन और बाढ़ ने मचाई तबाही, 5 लोग लापता

**अरुणाचल प्रदेश, 24 जून।** अरुणाचल प्रदेश के केयी पन्योर जिले में बुधवार को मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ की चपेट में आने से कम से कम पांच लोग लापता हो गए और 17 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 18 मकानों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, विभिन्न स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे बड़ी संख्या में यात्री रास्ते में ही फंस गए हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन सचिव दानी सुलु ने बताया कि याजाली सर्कल के अंतर्गत पूसा के पास नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको) परियोजना कॉलोनी से लापता हुए लोगों की पहचान एलेश मराक (13), बालारी मराक (30), ताओ अंजीना (46), निर्मला गुप्ता (35) और सौरव

कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी है। अधिकारी ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण निमार्णाधीन सुरक्षा दीवार ढह गई, जिससे कॉलोनी और आसपास के निचले आवासीय क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में पानी भर गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कम से कम 18 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि जिला पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों ने याजाली जलाशय से बिशु सिन्हा नामक व्यक्ति को सुरक्षित निकाला, जबकि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के एक वैज्ञानिक को इस आपदा से प्रभावित राष्ट्रीय राजमार्ग-13 के एक हिस्से से बचाया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने संबंधित अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी), पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और क्षेत्राधिकारी को नुकसान का आकलन करने और बचाव कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए तत्काल प्रभावित स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया है।

# मुंबई के कलाकार आद्या श्रीवास्तव और दूरदर्शन कलाकार अविजित श्रीवास्तव की प्रस्तुति विश्व संगीत दिवस पर लगाया चारचांद

**लखनऊ (उत्तरशक्ति)।** अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था सुर ताल संगम द्वारा विश्व संगीत दिवस एवं विश्व योग दिवस के अवसर पर उद्यान भवन ऑडिटोरियम, हजरतगंज लखनऊ में एक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गीत, संगीत, नृत्य, विविध मनोरंजन एवं पारिवारिक भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस विशेष आयोजन में विश्व संगीत दिवस, विश्व योग दिवस, फादर्स डे तथा महान पार्श्वगायिका आशा भोंसले को समर्पित संगीतमय श्रद्धांजलि प्रस्तुत की गई। सभी कलाकारों आद्या सिंह, युविका पांडेय, त्रिनभ साहू, वैष्णवी पांडेय, अद्विका श्रीवास्तव, ईशनंदिनी जादौन, भुवि सरन,

अक्षिता दीक्षित, रैना कपूर, आन्या गोयल, ईशा श्रीवास्तव, संगीता शुक्ला, अनुष्का शुक्ला, निर्मला अवस्थी, श्रद्धा प्रतिहारी, समीक्षा सिंह, बिपाशा बनर्जी, माला सिन्हा, बिदिषा बनर्जी, मनीष मिश्रा, डॉ शोएब अहमद आदि ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में संगीत प्रशिक्षक और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायक अविजित श्रीवास्तव और मुंबई निवासी कुशल नृत्यांगना एवं गायिका आद्या श्रीवास्तव के निर्देशन में लाइव सिंगिंग, मनमोहक नृत्य प्रदर्शन, रोचक गेम्स, म्यूज़िकल क्विज एवं आदि ने आयोजन को चार चांद लगा दिए। इसके साथ ही प्रसिद्ध जादूगर शशांक द्वारा प्रस्तुत मैजिक शो और योग प्रशिक्षिका संगीतिका ने योग ध्यान से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दिवंगत सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका सुमन कल्याणपुर को श्रद्धांजलि देते हुए विशिष्ट अतिथि श्रीमती संगीता जायसवाल ने रहे न रहे हम गीत प्रस्तुत किया। मुंबई से आमंत्रित सुप्रसिद्ध कलाकार आद्या श्रीवास्तव ने आशा भोंसले की श्रद्धांजलि के तौर पर उमराव जान की गजलें और भावनृत्य पेश करके सभी का मन मोह लिया। विश्व योग दिवस पर विशेष प्रस्तुति आदियोगी गीत के माध्यम से लोकप्रिय गायक अविजित श्रीवास्तव देकर खूब वाहवाही बटोरी। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान, एमएलसी सीतापुर सहित अनेक गणमान्य लोग विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। बतौर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी नवीन श्रीवास्तव, श्री अनूप श्रीवास्तव, तारिक खान, आदित्य शर्मा, यश भारती सम्मानित पं केवल कुमार, दिल्ली निवासी संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से विभूषित सुश्री रीना टंडन समेत आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के वरिष्ठ पदाधिकारी आदि मौजूद रहे। संस्था के संरक्षक श्री राजेश जायसवाल (आक्सीजन मैन) और संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव एवं सभी प्रमुख पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर सभी अतिथियों का शाल, बुके, स्मृति चिन्ह आदि भेंट करके स्वागत सम्मान किया। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों के लिए सरप्राइज गिफ्ट और फूड पैकेट वितरित किए गये।

# भारत और रूस के सुप्रीम कोर्ट करेंगे सहयोग, एमओयू पर हस्ताक्षर

**नई दिल्ली।** भारत और रूस के सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में एक सहमति पत्र पर (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पर मंगलवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और रूस के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस इगोर क्रास्नोव ने हस्ताक्षर किए।

सुप्रीम कोर्ट के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ जस्टिस सूर्यकांत ने रूसी प्रधान न्यायाधीश से मुलाकात की। एक बयान के अनुसार, यह बैठक दोनों देशों के ऐतिहासिक और सामयिक रिश्तों पर जोर देते हुए शुरू हुई।

बातचीत में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी सहयोग की जरूरत, दोनों देशों की न्यायपालिका द्वारा किए गए डिजिटल बदलाव (न्याय प्रणाली को बेहतर बनाने व न्याय तक पहुंच को आसान बनाने के लिए तकनीक व एआई को शामिल करना) और उच्च गुणवत्ता वाली न्यायिक शिक्षा का महत्व शामिल था।

विस्तृत बातचीत के बाद हस्ताक्षरित एमओयू में सीखने के मकसद से यात्राएं, अल्पकालिक व दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और संयुक्त संगोष्ठियों व सम्मेलनों के जरिये सहयोग की प्रतिबद्धता जताई गई।

# ट्रंप को दोहरा झटका: सीनेट से पहली बार युद्ध शक्तियों से जुड़ा प्रस्ताव पारित

**वॉशिंगटन, 24 जून।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को घरेलू मोर्चे पर अपनी नीतियों और शक्तियों पर दोहरा झटका लगा है। पहला झटका सीनेट से लगा, जबकि दूसरा झटका एक जज ने दिया। संसद के ऊपरी सदन सीनेट ने पहली बार युद्ध शक्तियों से जुड़ा एक प्रस्ताव को पारित किया है। इसका मकसद ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई

को रोकना है। यह प्रस्ताव ऐसे समय पारित किया गया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति समझौते को लेकर बातचीत चल रही है और ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों की भरपाई के लिए ट्रंप प्रशासन ने संसद से 80 अरब डालर की अतिरिक्त राशि मांगी है।

सीनेट ने मंगलवार को वार पावर्स रिजोल्यूशन (राष्ट्रपति की युद्ध शक्तियों से जुड़ा प्रस्ताव) को मंजूरी दी। इस प्रस्ताव को 50-48 मतों से पारित किया गया। यह 10वीं बार रहा, जब सीनेट ने युद्ध रोकने की कोशिश की। हालांकि यह प्रस्ताव मुख्य रूप से प्रतीकात्मक है और इसका कानूनी प्रभाव नहीं है, लेकिन यह दशार्ता है कि अमेरिकी संसद के दोनों सदन सीनेट और प्रतिनिधि सभा युद्ध और ट्रंप द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते को लेकर चिंतित हैं।इस महीने की शुरूआत में प्रतिनिधि सभा ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। 1973 में वार पावर्स रिजोल्यूशन (जिसे आमतौर पर वार पावर्स एक्ट के नाम से जाना जाता है) के लागू होने के बाद यह पहली बार है, जब दोनों सदनों ने राष्ट्रपति को अमेरिकी सेनाओं को युद्ध से हटाने का निर्देश देने वाला प्रस्ताव पारित किया है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

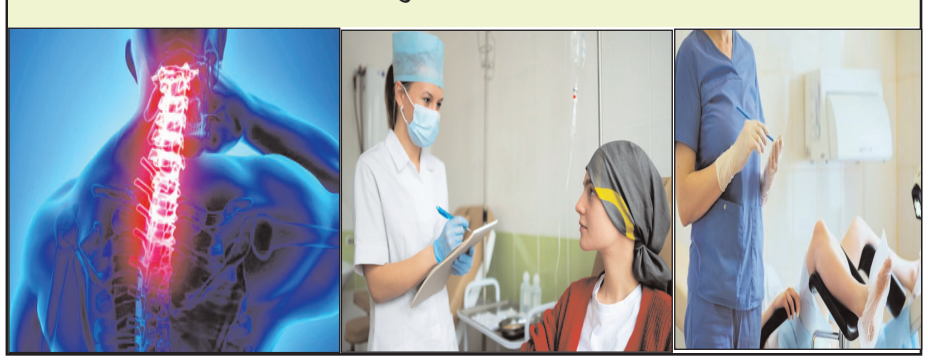

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

# स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत


-ललित गर्ग

विज्ञान और तकनीक ने मानव सभ्यता को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज का युग डिजिटल युग है, जहां एक क्लिक पर पूरी दुनिया हमारी हथेली में सिमट आई है। स्मार्टफोन ने संचार, शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शासन और सामाजिक संबंधों को नई दिशा दी है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। स्मार्टफोन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह जितना बड़ा वरदान सिद्ध हुआ है, उतना ही बड़ा अभिशाप भी बनता जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों पर इसके दुष्प्रभावों ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। आज विश्वभर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। दुर्भाग्यवश, विवेक और अनुशासन के अभाव में इसका नकारात्मक पक्ष अधिक मुखर हो रहा है। स्मार्टफोन की लत बच्चों और युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद, एकाकीपन, हिंसक प्रवृत्तियों, अश्लीलता, साइबर अपराध और सामाजिक विघटन का कारण बन रही है। यही कारण है कि आज केवल परंपरागत समाज और विकासशील देश ही नहीं, बल्कि विकसित देश भी इस चुनौती से निपटने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं।



हाल ही में भारत के हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव की पहल ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। गांव की पहचान साइबर अपराध के केंद्र के रूप में बनने लगी थी। इससे आहत होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से स्मार्टफोन त्यागने और बेसिक फोन अपनाने का निर्णय लिया। यह केवल मोबाइल तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज की उस पीड़ा की अभिव्यक्ति है, जो तकनीक के दुरुपयोग से उत्पन्न हुई है। गांव के युवाओं का विरोध भी स्वाभाविक है, क्योंकि आज शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं स्मार्टफोन पर निर्भर हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है-क्या समाधान तकनीक का बहिष्कार है या उसके विवेकपूर्ण उपयोग का संस्कार? विश्व के अनेक देशों ने इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन आरंभ कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन, नीदरलैंड, चीन और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों और किशोरों के स्मार्टफोन उपयोग को नियंत्रित करने की दिशा में अनेक पहलें हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग पर आयु-सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस ने स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध लागू किया है। ब्रिटेन में भी स्कूलों में मोबाइल उपयोग को सीमित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मुकदमे दायर हुए हैं और उन पर भारी जुर्माने लगाए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

वास्तव में स्मार्टफोन जहां वरदान है, वहीं अभिशाप भी है। इससे ज्ञान का भंडार भी उपलब्ध है और भ्रम का संसार भी। यह शिक्षा का माध्यम भी है और अश्लीलता तथा हिंसा का प्रवेश-द्वार भी। यह रोजगार के अवसर भी देता है और साइबर अपराध की राह भी खोलता है। आज अनेक युवा रातों-रात अमीर बनने की लालसा में साइबर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन जुआ और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों में फंस रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री, फेक न्यूज, नफरत और ट्रोल संस्कृति ने सामाजिक मूल्यों को गहरी चोट पहुंचाई है। सबसे अधिक चिंता का विषय बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है और डिजिटल निकटता के बावजूद भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। बच्चे खेल के मैदानों से दूर होकर आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं। विशेषतः स्मार्टफोन एक दुधारी तलवार है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने इस चुनौती को और अधिक जटिल बना दिया है। एआई जहां शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। डीपफेक वीडियो, फर्जी ऑडियो, साइबर ठगी, पहचान की चोरी, फेक न्यूज और डिजिटल ब्लैकमेल जैसे अपराधों में एआई का इस्तेमाल चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। स्मार्टफोन इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुलभ और प्रभावी माध्यम बन गया है। एक साधारण मोबाइल फोन के माध्यम से आज कोई भी व्यक्ति एआई आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग कर नकली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर सकता है, भ्रामक सूचनाएं फैला सकता है या साइबर अपराधों को अंजाम दे सकता है। विशेष रूप से किशोर और युवा, जिनके पास तकनीकी कौशल तो है लेकिन नैतिक प्रशिक्षण और परिपक्वता का अभाव है, वे अनजाने में अथवा त्वरित लाभ की लालसा में ऐसे कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एआई और स्मार्टफोन के उपयोग के साथ-साथ डिजिटल नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कानूनी जिम्मेदारियों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि तकनीक मानवता के विकास का साधन बने, विनाश का नहीं। इस संदर्भ में यह कथन अत्यंत प्रासंगिक है-ह्यविज्ञान बिना विवेक के विनाश का कारण बनता है, जबकि विवेक के साथ वही विज्ञान मानवता का वरदान बन जाता है। ऐसी स्थिति में भारत में भी व्यापक राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है और एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यदि भारत को विश्वगुरु के रूप में अपनी भूमिका निभानी है, तो उसे तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। भारत द्वारा निर्मित नीतियां न केवल देश, बल्कि विश्व के लिए भी मार्गदर्शक बन सकती हैं। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं-पहला, बच्चों और किशोरों के लिए स्मार्टफोन उपयोग की आयु-सीमा और समय-सीमा निर्धारित की जाए। एक निश्चित आयु तक बच्चों को केवल आवश्यक और नियंत्रित डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

दूसरा, स्कूलों में साइबर साक्षरता और डिजिटल नैतिकता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग ही नहीं, बल्कि उसके दुष्परिणामों और कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी जानी चाहिए। तीसरा, अभिभावकों को डिजिटल पैरेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। बच्चों को मोबाइल थमाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं होती-उन्हें मार्गदर्शन, संवाद और संस्कार भी देने होंगे। चौथा, सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। हानिकारक और अश्लील सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण, आयु सत्यापन और एल्गोरिदम की पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पांचवां, युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और रचनात्मक अवसरों का विस्तार किया जाए, ताकि वे त्वरित धनार्जन के प्रलोभन में अपराध की ओर न बढ़ें। भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है। स्मार्टफोन मानव की सेवा का साधन बने, मानव का स्वामी नहीं-इसी में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण निहित है।

# ईरान, होर्मुज और बदलती विश्व व्यवस्था


- महेन्द्र तिवारी

विश्व राजनीति में शक्ति का अर्थ समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। इतिहास के विभिन्न कालखंडों में शक्ति के मानक बदलते रहे हैं। कभी विशाल और अजेय सेनाएँ किसी साम्राज्य या देश की ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती थीं, तो कभी औद्योगिक क्रांति के बाद औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक क्षमता को वैश्विक शक्ति का मुख्य आधार समझा गया। 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, विशेषकर शीतयुद्ध के दौर में, परमाणु हथियारों को सर्वोच्च शक्ति और संप्रभुता का प्रतीक माना जाने लगा। ऐसा माना जाता था कि परमाणु क्षमता से संपन्न देश ही वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय कर सकते हैं। किंतु 21वीं शताब्दी के आगमन ने इन सभी पारंपरिक धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। आज के दौर में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तकनीकी नेटवर्क और समुद्री मार्गों ने शक्ति की परिभाषा को एक बिल्कुल नया और बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया है। हाल के वर्षों में ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़े तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उभरी परिस्थितियों ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में केवल सैन्य सामर्थ्य ही निर्णायक नहीं है। किसी महत्वपूर्ण भौगोलिक मार्ग, संसाधन अथवा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही प्रभावशाली और रणनीतिक साधन बन सकता है। यही वह महत्वपूर्ण संदेश है जो ईरान की वर्तमान रणनीति के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है। भौगोलिक दृष्टि से यह फारस की खाड़ी को अरब सागर और हिंद महासागर से जोड़ता है। इस संकरे मार्ग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे दुनिया के सबसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का समुद्री निर्यात इसी मार्ग से होकर गुजरता है। वैश्विक कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रोजाना इस संकरे जलमार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचता है। इसके अलावा, तरल प्राकृतिक गैस के वैश्विक समुद्री व्यापार का भी एक बहुत बड़ा भाग इसी रास्ते से तय होता है। इसलिए होर्मुज केवल एक साधारण जलमार्ग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यदि इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है या तनाव बढ़ता है, तो उसका सीधा और तात्कालिक प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और दुनिया भर के उपभोक्ता बाजारों पर दिखाई देने लगता है।

इस पूरे परिदृश्य में ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे इस क्षेत्र में एक विशिष्ट सामरिक महत्व प्रदान करती है। इस जलडमरूमध्य के उत्तरी तट पर ईरान का सीधा भौगोलिक प्रभाव है और इसी कारण वह लंबे समय से इस मार्ग को अपनी सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति के रूप में देखता रहा है। जब भी पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए या उसकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं की अनदेखी की गई, तब उसने बार-बार यह संकेत दिया कि वह होर्मुज में जहाजों के आवागमन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। कई अवसरों पर ईरान ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह चेतावनी भी दी है कि यदि उसके राष्ट्रीय हितों को गंभीर नुकसान पहुँचाया गया, तो वह इस मार्ग को पूरी तरह बंद करने अथवा यहाँ अतिरिक्त नियंत्रण स्थापित करने पर विचार कर सकता है। यहीं से दुनिया के लिए एक नया भू-राजनीतिक संदेश निकलता है कि आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भूगोल स्वयं एक बहुत बड़ी शक्ति है। यदि किसी देश के पास कोई ऐसा विशिष्ट स्थान है जो वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति या सामरिक गतिविधियों के लिए अनिवार्य है, तो वह देश अपनी सीमित सैन्य या आर्थिक क्षमताओं के बावजूद वैश्विक मंच पर अत्यंत महत्वपूर्ण प्रभाव रख सकता है। ईरान दशकों से भारी आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों का सामना कर रहा है, लेकिन होर्मुज पर उसकी सामरिक स्थिति उसे विश्व राजनीति में लगातार प्रासंगिक और शक्तिशाली बनाए रखती है।

यह स्थिति पारंपरिक शक्ति संतुलन को भी गंभीर चुनौती देती है। लंबे समय तक वैश्विक राजनीति में यह माना जाता रहा कि बड़ी सैन्य और परमाणु शक्ति रखने वाले देश किसी भी क्षेत्रीय संकट का समाधान अपने पक्ष में करने में सक्षम होते हैं। लेकिन होर्मुज का उदाहरण दिखाता है कि कठोर भौगोलिक वास्तविकताएँ कई बार विशाल सैन्य शक्ति को भी सीमित कर देती हैं। यदि इस समुद्री मार्ग पर थोड़ा भी तनाव बढ़ता है तो उसका असर केवल एक क्षेत्र पर नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ता है। इसलिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को भी यहाँ किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति, समझौतों और क्षेत्रीय संतुलन का सहारा लेना पड़ता है। इसके साथ ही, ईरान की इस रणनीति ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है। ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है जिसके बिना उद्योग, परिवहन, कृषि और संचार जैसे लगभग सभी क्षेत्र ठप हो सकते हैं। जब किसी ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग पर संकट की मामूली आशंका भी उत्पन्न होती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव शुरू हो जाता है। इससे दुनिया भर के निवेशकों में चिंता बढ़ती है और सरकारें वैकल्पिक व्यवस्थाओं की तलाश करने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इस प्रकार एक सीमित क्षेत्रीय तनाव भी व्यापक वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकता है।

इस परिस्थिति का प्रभाव केवल तेल उत्पादक या पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं रहता है। जापान, दक्षिण कोरिया, भारत और यूरोप के अनेक प्रमुख देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से पश्चिम एशिया के इसी मार्ग पर निर्भर हैं। यदि होर्मुज में कोई बाधा आती है तो इन विकासशील और विकसित देशों की ऊर्जा सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है। यही कारण है कि दुनिया के तमाम राष्ट्र इस मार्ग को हमेशा खुला और सुरक्षित बनाए रखने के पक्षधर हैं। वे अच्छी तरह समझते हैं कि यहाँ उत्पन्न होने वाला कोई भी संकट उनके घरेलू आर्थिक हितों को सीधे चोट पहुँचाएगा। ईरान के इस व्यवहार से यह भी स्पष्ट होता है कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल हथियारों के संचय की नहीं होगी। बीते दशकों में परमाणु हथियारों के प्रसार को लेकर व्यापक चिंताएँ व्यक्त की जाती रही हैं, लेकिन आज एक नई प्रवृत्ति उभरती दिखाई दे रही है जिसमें देश उन स्थानों, संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण की तलाश कर रहे हैं जिनके माध्यम से वे संपूर्ण वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर सकें। इन्हें भू-राजनीति की भाषा में चोक प्वाइंट कहा जाता है, जहाँ से होकर व्यापार, ऊर्जा या संचार का बड़ा भाग गुजरता है।

दुनिया में होर्मुज अकेला ऐसा मार्ग नहीं है। मलक्का जलडमरूमध्य पूर्वी एशिया और हिंद महासागर के बीच व्यापार का अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जहाँ से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग एक तिहाई हिस्सा गुजरता है। इसी तरह बाब-अल-मंदेब लाल सागर को अरब सागर से जोड़ता है जो यूरोप तथा एशिया के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है, और स्वेज नहर को वैश्विक परिवहन की जीवनरेखा माना ही जाता है। यदि इन सभी मार्गों में कहीं भी रुकावट आती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। विश्लेषकों को चिंता है कि ईरान का यह सफल उदाहरण अन्य क्षेत्रीय देशों को भी इसी प्रकार की रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे वैश्विक व्यापार अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के स्थान पर प्रतिस्पर्धा और दबाव की राजनीति बढ़ सकती है। इस संदर्भ में चीन जैसी महाशक्ति की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जिसने तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, दुर्लभ खनिजों और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में अपना प्रभाव अत्यधिक बढ़ा लिया है। यदि ऊर्जा मार्गों की असुरक्षा बढ़ती है, तो कई देश जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करके नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों की ओर बढ़ेंगे, जिससे उन तकनीकों पर नियंत्रण रखने वाले देशों का महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। इस प्रकार एक प्रकार की निर्भरता समाप्त होते ही दूसरी निर्भरता जन्म ले लेगी।

यह पूरी स्थिति वैश्वीकरण की उस पारंपरिक अवधारणा को भी चुनौती देती है जिसके अनुसार वस्तुओं, सेवाओं और पूँजी का प्रवाह स्वतंत्र और निर्बाध होना चाहिए। लेकिन जब इन महत्वपूर्ण मार्गों और आपूर्ति श्रृंखलाओं का उपयोग राजनीतिक दबाव के साधन के रूप में होने लगता है, तब वैश्वीकरण की नींव कमजोर पड़ने लगती है। कंपनियों और सरकारों को वैकल्पिक मार्गों, अतिरिक्त भंडारण और विविध स्रोतों की महँगी व्यवस्था करनी पड़ती है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ जाती है। हालांकि ईरान का तर्क है कि वह केवल अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी भौगोलिक स्थिति का उपयोग एक रणनीतिक साधन के रूप में करता है, जबकि आलोचक इसे वैश्विक स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा मानते हैं। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच संतुलन बनाने के लिए अब कूटनीति की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। केवल सैन्य शक्ति या आर्थिक प्रतिबंध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते। यदि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को अक्षुण्ण रखना है, तो क्षेत्रीय देशों तथा बड़ी शक्तियों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग आवश्यक होगा। अंततः, ईरान के व्यवहार से यही निष्कर्ष निकलता है कि 21वीं शताब्दी में शक्ति का स्वरूप बहुआयामी हो गया है, जहाँ भौगोलिक स्थिति, समुद्री मार्ग, संसाधन और ऊर्जा नेटवर्क ही भविष्य की विश्व राजनीति की दिशा तय करेंगे।

# पद से बड़े कद के हैं गहलोत, मारवाड़ दौरे से फिर साबित

-राकेश दुबे

राजस्थान की राजनीति में अशोक गहलोत सदा सदा से लगातार मजबूत होते रहे हैं। आज भले ही वे मुख्यमंत्री नहीं है, लेकिन प्रदेश की राजनीति और जनता, दोनों में उनका प्रभाव आज भी उतना ही प्रासंगिक दिखाई देता है, जितना उनके मुख्यमंत्री रहते हुए था। हाल ही में जालोर, पाली, सिरोही और उदयपुर सहित मारवाड़ क्षेत्र के विभिन्न जिलों के उनके दौरे ने यह संदेश दिया है कि सत्ता से बाहर होने के बावजूद उनकी जनस्वीकार्यता में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई है। कांग्रेस संगठन भले ही वर्तमान में चुनौतियों का सामना कर रहा हो, लेकिन गहलोत के कार्यक्रमों में उमड़ी भीड़ और स्थानीय स्तर पर मिले स्वागत ने यह संकेत दिया कि वे आज भी राजस्थान कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली जननेताओं में शामिल हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का भी मानना है कि राजस्थान में कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत और सामाजिक आधार को बनाए रखने में गहलोत की भूमिका अब भी केंद्रीय बनी हुई है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में उदयपुर, सिरोही, जालोर, पाली और जोधपुर जिलों का एक विस्तृत दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने सांगठनिक बैठकों में भाग लिया, कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, रोड़ शो किया और व्यापक पैमाने पर लोगों से मुलाकातें कीं। उनके इस जदौरे को जबरदस्त प्रतिसाद मिला। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार अशोक गहलोत की सबसे बड़ी ताकत उनकी जनसंपर्क शैली और सामाजिक समीकरणों पर पकड़ रही है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार का कहना है कि गहलोत का अनुभव और उनकी राजनीतिक समझ उन्हें कांग्रेस के



अन्य नेताओं से अलग पहचान देती है। परिहार का मानना है कि गहलोत ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में प्रशासनिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और व्यक्तिगत संबंधों के माध्यम से एक ऐसा राजनीतिक आधार तैयार किया है, जो केवल पद पर निर्भर नहीं है। यही वजह है कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर समय-समय पर बहस होने के बावजूद उनका प्रभाव बरकरार बना हुआ है। यह भी तथ्य है कि कांग्रेस के भीतर पिछले कुछ वर्षों में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच मतभेदों की चर्चा लगातार होती रही है। हालांकि इन परिस्थितियों के बावजूद गहलोत ने अपनी राजनीतिक सक्रियता में कोई कमी नहीं आने दी। हाल के महीनों में उनके कई स्पष्ट और बेबाक बयान राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं। वरिष्ठ राजनीतिक पत्रकार महावीर जैन कहते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस की वर्तमान स्थिति भले ही अपेक्षित रूप से मजबूत नहीं कही जा सकती, लेकिन पार्टी के जनाधार को बनाए रखने और कार्यकताओं में ऊर्जा भरने का काम अभी भी गहलोत प्रभावी ढंग से करते दिखाई देते हैं। जैन कहते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का लगभग सभी जाति, समाज और वर्ग में प्रभाव है, उसका एक बहुत बड़ा तबका कांग्रेस के लिए उम्मीद है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री रहते हुए गहलोत जो योजनाएं लाएं थे, उनसका लाभार्थी वर्ग भी बहुत बड़ा है, जो उनके नेतृत्व में विश्वास करता है। मारवाड़ दौरे के दौरान जिस प्रकार विभिन्न स्थानों पर गहलोत का स्वागत हुआ, उसने राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है। संयोगवश उसी समय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी पाली और सिरोही क्षेत्र के दौरे पर थे, जिससे दोनों नेताओं के जनसंपर्क कार्यक्रमों की तुलना स्वाभाविक रूप से होने लगी। वरिष्ठ पत्रकार बालमुकुंद शर्मा कहते हैं कि गहलोत के कार्यक्रमों में जिस प्रकार का उत्साह और जनसहभागिता दिखाई दी, उसने यह स्पष्ट किया कि वे केवल कांग्रेस के नेता भर नहीं, बल्कि एक स्थापित जनाधार वाले राजनेता हैं। शर्मा बताते हैं कि तीन बार मुख्यमंत्री रहने के दौरान उन्होंने प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर जो नेटवर्क विकसित किया और ग्रामीण क्षेत्रों में जो व्यक्तिगत संपर्क बनाए, उसका लाभ उन्हें आज भी मिलता दिखाई देता है। यही कारण है कि सत्ता परिवर्तन के ढाई वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का जुड़ाव कम नहीं हुआ है। राजस्थान की राजनीति में उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है जो कार्यकताओं और आम लोगों के बीच निरंतर संवाद बनाए रखते हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री पद पर न रहते हुए भी उनके कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

मारवाड़ का हालिया दौरा वस्तुतः अशोक गहलोत के राजनीतिक कद के पुनः पुष्टि का अवसर बन गया। यह दौरा केवल जनसभाओं और स्वागत कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने यह संदेश भी दिया कि राजस्थान की राजनीति में गहलोत अब भी एक केंद्रीय शक्ति हैं। राजनीति के जानकारों का निष्कर्ष है कि राज्य में कांग्रेस के भविष्य की किसी भी रणनीति में अशोक गहलोत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि सत्ता से बाहर रहने के बावजूद यदि किसी नेता को लगातार व्यापक जनसमर्थन, कार्यकताओं का उत्साह और राजनीतिक प्रासंगिकता प्राप्त हो रही है, तो वह उसके लंबे राजनीतिक निवेश और जनविश्वास का परिणाम होता है। मारवाड़ दौरे ने एक बार फिर साबित किया है कि अशोक गहलोत का राजनीतिक प्रभाव केवल पद तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राजस्थान की राजनीति की स्थायी वास्तविकताओं में से एक बन चुका है।

# इमारतें ऊंची हुई, सुरक्षा क्यों बौनी रह गई?


-सुरेश गांधी

लखनऊ की घटना ने देश को झकझोर दिया, लेकिन सच यह है कि यह किसी एक शहर की त्रासदी नहीं है। दिल्ली की तंग गलियां हों, मुंबई की ऊंची इमारतें, कोलकाता के पुराने बाजार, सूरत की फैक्ट्रियां, हैदराबाद के व्यावसायिक परिसर, बेंगलुरु के स्टार्टअप हब, जयपुर, पटना, भोपाल, कानपुर, वाराणसी, इंदौर या गुवाहाटी–भारत का शायद ही कोई बड़ा शहर हो जहां सुरक्षा नियमों से समझौता कर बनाई गई इमारतें मौत का इंतजार न कर रही हों। फर्क सिर्फ इतना है कि कहीं आग अभी लगी नहीं है और कहीं अगला शॉर्ट सर्किट अभी होना बाकी है। देश में पिछले दो दशकों के बड़े अग्निकांडों का इतिहास बताता है कि हर त्रासदी के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट बनती है, दोषियों पर मुकदमे दर्ज होते हैं, कुछ अधिकारी निलंबित होते हैं और फिर कुछ महीनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन व्यवस्था का चरित्र नहीं बदलता। यही कारण है कि हर नया हादसा पिछले हादसे की कार्बन कॉपी बनकर सामने आता है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ सुरक्षा संस्कृति विकसित ही नहीं हो सकी। शहर ऊंचे हो गए, इमारतें आधुनिक हो गईं, लेकिन सोच अब भी पुरानी है। भवन निर्माण के समय सबसे पहले जिस चीज की बलि दी जाती है, वह है सुरक्षा। बिल्डर लागत बचाता है, संचालक जगह बचाता है, अधिकारी जिम्मेदारी बचाता है और अंततः नागरिक अपनी जान गंवाता है।

आज देश के अधिकांश शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं जिन्हें आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृति मिली थी, लेकिन उनमें कोचिंग सेंटर, हॉस्टल, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल, गोदाम, कॉल सेंटर, कार्यालय, क्लीनिक और प्रशिक्षण संस्थान चल रहे हैं। भवन की क्षमता पचास लोगों की होती है, लेकिन रोजाना वहां दो सौ से तीन सौ लोग मौजूद रहते हैं। बिजली की अतिरिक्त लोडिंग, बंद खिड़कियां, संकरे रास्ते, ज्वलनशील सामग्री, अवैध निर्माण और इमरजेंसी एग्जिट का अभाव–यह लगभग हर शहर की सामान्य तस्वीर है। विडंबना यह है कि जब तक कोई हादसा नहीं होता, तब तक किसी विभाग को यह अवैधता दिखाई नहीं देती। लेकिन जैसे ही आग लगती है, उसी इमारत की फाइलों से वर्षों पुरानी अनियमितताएं निकलने लगती हैं। इसका सीधा अर्थ है कि व्यवस्था अनजान नहीं थी, बल्कि मौन थी। और कई बार यह मौन संयोग नहीं, बल्कि सुविधा का परिणाम होता है। फायर सेफ्टी को




**किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि उनमें रहने और काम करने वाले लोगों की सुरक्षा से होती है। दुर्भाग्य से भारत के अधिकांश शहर आज ऐसे कंक्रीट के जंगलों में बदल चुके हैं, जहां विकास की चमक के पीछे सुरक्षा मानकों की अनदेखी का अंधेरा छिपा हुआ है। लखनऊ का भीषण अग्निकांड इसी कड़वी सच्चाई का भयावह उदाहरण है। यह केवल एक इमारत में लगी आग नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता है, जिसने वर्षों तक नियमों के उल्लंघन को सामान्य मान लिया। हर बड़े हादसे के बाद जांच, निलंबन और मुआवजे की औपचारिकताएं पूरी हो जाती हैं, लेकिन व्यवस्था की कार्यशैली जस की तस बनी रहती है। यदि इस त्रासदी को केवल लखनऊ तक सीमित समझने की भूल की गई, तो देश का कोई भी शहर अगली भयावह खबर बन सकता है। अब समय संवेदना व्यक्त करने का नहीं, बल्कि सुरक्षा को शासन और समाज दोनों की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने का है**

भारत में अब भी एक औपचारिकता माना जाता है। अग्निशमन यंत्र खरीद लेना ही सुरक्षा समझ लिया जाता है, जबकि वास्तविक सुरक्षा नियमित निरीक्षण, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल, आपातकालीन निकासी योजना और भवन की संरचनात्मक तैयारी से आती है। दुर्भाग्य से इनमें से अधिकांश व्यवस्थाएं केवल कागजों पर मौजूद रहती हैं।

विशेष चिंता का विषय देश में तेजी से बढ़ते कोचिंग संस्थान, निजी प्रशिक्षण केंद्र, आईटी हब, साझा कार्यस्थल (को-वर्किंग स्पेस) और स्टार्टअप कार्यालय हैं। यहां प्रतिदिन हजारों युवा अपने सपनों के साथ पहुंचते हैं। लेकिन इन संस्थानों में से बड़ी संख्या ऐसी इमारतों में संचालित हो रही है, जो मूल रूप से इस उद्देश्य के लिए बनाई ही नहीं गई थीं। परिणाम यह है कि किसी भी आपात स्थिति में बाहर निकलना लगभग असंभव हो जाता है। आज आवश्यकता केवल दोषियों की गिरफ्तारी की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भवन सुरक्षा सुधार अभियान की है। जिस प्रकार सड़क सुरक्षा, स्वच्छता और टीकाकरण को राष्ट्रीय मिशन बनाया गया, उसी प्रकार अग्नि सुरक्षा को भी जन आंदोलन बनाना होगा। हर राज्य में एक समयबद्ध अभियान चलाकर सभी व्यावसायिक, शैक्षणिक और सार्वजनिक भवनों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन भवनों में गंभीर खामियां हों, उन्हें सुधार तक सील किया जाना चाहिए। निरीक्षण करने वाले अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय होनी चाहिए ताकि किसी दुर्घटना के बाद जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित न रहे। अब समय आ गया है कि भवन निर्माण, नगर नियोजन, अग्निशमन विभाग और विकास प्राधिकरणों के बीच मौजूद प्रशासनिक खामियों को दूर किया जाए। डिजिटल अनुमति प्रणाली, ऑनलाइन निरीक्षण रिकॉर्ड, सार्वजनिक सुरक्षा रेटिंग और नागरिक शिकायत तंत्र को मजबूत किए बिना सुधार अधूरा रहेगा।

यह भी उतना ही आवश्यक है कि समाज स्वयं भी जागरूक हो। माता-पिता अपने बच्चों को जिस कोचिंग या संस्थान में भेजते हैं, वहां की सुरक्षा व्यवस्था देखने का अधिकार और जिम्मेदारी दोनों रखते हैं। कर्मचारियों को भी यह समझना होगा कि आपातकालीन निकास, अग्निशमन उपकरण और सुरक्षा अभ्यास केवल औपचारिक शब्द नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी हैं। सभ्यता का विकास केवल ऊंची इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि उन इमारतों के भीतर रहने और काम करने वाले लोग कितने सुरक्षित हैं। यदि भारत 'विकसित राष्ट्र' बनने का सपना देख रहा है, तो उसे 'सुरक्षित राष्ट्र' बनने की दिशा में भी उतनी ही गंभीरता से कदम बढ़ाने होंगे। लखनऊ की राख से उठता धुआं केवल उत्तर प्रदेश के आसमान में नहीं फैला है। वह पूरे भारत की अंतरात्मा से एक प्रश्न पूछ रहा है–क्या अगली आग भी किसी जांच आयोग का इंतजार करेगी, या इस बार व्यवस्था सचमुच बदलेगी? यदि इस प्रश्न का उत्तर आज नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में किसी दूसरे शहर की कोई दूसरी इमारत फिर यही कहानी दोहराएगी, और हम एक बार फिर शोक, संवेदना और मुआवजे के पुराने चक्र में लौट आएंगे।क्या पूर्वांचल ने सबक लिया या अगली दुर्घटना का इंतजार है?

## KEM अस्पताल नामांतरण मामला, किंग एडवर्ड गुलामी के दौर का प्रतीक : मंगल प्रभात लोढ़ा

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** किंग एडवर्ड मेमोरियल (KEM) अस्पताल के नाम परिवर्तन के संबंध में आज विधान परिषद में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने विपक्ष को करारा जवाब दिया। लोढ़ा ने स्पष्ट रूप से कहा कि ब्रिटिश शासनकाल भारत के शोषण का काल था। उन्होंने कहा, किंग एडवर्ड भारत के लिए गौरव का विषय नहीं है, बल्कि वह गुलामी के दौर का प्रतीक है। आगे उन्होंने कहा, किंग एडवर्ड ने भारत को गुलाम बनाया था और देश की संपत्ति लूटकर इंग्लैंड ले गया था। यह कहना कि किंग एडवर्ड ने धन दिया था, पूरी तरह भ्रामक है। इस संदर्भ में उन्होंने कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए कहा, लाखों भारतीयों की मृत्यु के लिए जिम्मेदार किंग एडवर्ड कसाब जैसा व्यक्ति था। किंग एडवर्ड के नाम का समर्थन करने वालों की हम निंदा करते हैं। केईएम के नाम परिवर्तन के लिए हमने तीन नामों के विकल्प दिए हैं और सरकार इस संबंध में उचित निर्णय लेगी। मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रस्तावित तीनों नामों में से किसी भी विकल्प का चयन किया जाए, उसका संक्षिप्त रूप केईएम ही रहेगा। ट्रम्प टॉवर का नाम बदलने को लेकर प्रश्न उठाए जाने पर माननीय मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने स्पष्ट किया कि ट्रम्प नाम केवल व्यावसायिक साझेदारी के कारण दिया गया है और इसका किसी भी प्रकार के गौरव या महिमामंडन से कोई संबंध नहीं है। इस दौरान विधान परिषद सदस्य श्री मिलिंद नार्वेकर ने माननीय मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के व्यवसाय पर प्रश्न उठाया। इसका जवाब देते हुए लोढ़ा ने कहा, मेरा व्यवसाय पूरी दुनिया जानती है और मेरी आय का स्त्रोत भी सभी को ज्ञात है। लेकिन आपका व्यवसाय क्या है, यह हमें नहीं पता। फिर भी आप मुझसे बड़ी गाड़ी में घूमते हैं, ऐसा उन्होंने पलटवार करते हुए कहा।

## सांस लेने में गंभीर परेशानी के पीछे छिपी दुर्लभ तंत्रिका संबंधी बीमारी की पहचान

**मुंबई / कोलकाता।** झारखंड की एक किशोरी को अचानक सांस लेने में गंभीर परेशानी होने पर मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे में भर्ती कराया गया। शुरूआत में डॉक्टरों को लगा कि वह फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से पीड़ित है। लेकिन उपचार शुरू होने के बावजूद उसकी स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी। इसके बाद डॉक्टरों ने मामले की गहराई से जांच की और पाया कि वह मायस्थीनिया ग्रेविस नामक एक दुर्लभ तंत्रिका संबंधी बीमारी से पीड़ित है, जिसके कारण उसे मायस्थेनिक क्राइसिस हुआ था। इस स्थिति में मांसपेशियों की कमजोरी सांस लेने की क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। समय पर सही बीमारी की पहचान और समन्वित उपचार के जरिए डॉ. देबराज यश, डायरेक्टर - पल्मोनोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल्स कोलकाता, तथा डॉ. वैभव सेठ, कंसल्टेंट- न्यूरोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे, ने मरीज का सफलतापूर्वक उपचार किया। यह मामला जटिल चिकित्सकीय परिस्थितियों में समय रहते सही निदान और विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों के महत्व को दशार्ता है।

मई महीने में किशोरी को एक रेलवे अस्पताल से गंभीर सांस संबंधी तकलीफ के कारण मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे भेजा गया था। उसके शुरूआती लक्षणों और सीटी स्कैन की रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टरों को न्यूमोनिया की आशंका हुई। इसी को ध्यान में रखते हुए नर्सों के माध्यम से एंटीबायोटिक उपचार शुरू किया गया। हालांकि कुछ ही घंटों में उसकी सांस लेने की परेशानी काफी बढ़ गई और उसकी श्वसन क्षमता प्रभावित होने लगी, जिसके कारण उसे वेंटिलेटर की सहायता देनी पड़ी। आगे की जांच के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि सीटी स्कैन में दिखाई देने वाली फेफड़ों की स्थिति और मरीज की गंभीर हालत के बीच काफी अंतर था। फेफड़ों में व्यापक क्षति नहीं दिख रही थी, लेकिन उसकी स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। इसी वजह से डॉक्टरों ने अन्य संभावित कारणों की जांच शुरू की।

विस्तृत जांच में मरीज की मांसपेशियों में काफी कमजोरी और चलने-फिरने की क्षमता में कमी पाई गई, जिससे किसी तंत्रिका-मांसपेशी संबंधी बीमारी की आशंका हुई। डॉक्टरों ने मायस्थीनिया ग्रेविस और गिलियन-बारे सिंड्रोम जैसी बीमारियों की संभावना पर विचार किया। आगे की जांच में पुष्टि हुई कि मरीज मायस्थीनिया ग्रेविस के साथ मायस्थेनिक क्राइसिस से पीड़ित थी। मायस्थीनिया ग्रेविस एक दुर्लभ बीमारी है, जिसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली गलती से नसों और मांसपेशियों के बीच होने वाले संदेशों के आदान-प्रदान में बाधा उत्पन्न करती है। इसके कारण मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। आमतौर पर इसके लक्षणों में पलकों का झुक जाना, निगलने में कठिनाई या हाथ-पैरों में कमजोरी शामिल होती है। गंभीर मामलों में सांस लेने वाली मांसपेशियां भी प्रभावित हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में मायस्थेनिक क्राइसिस हो सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है और मरीज को गहन चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता पड़ सकती है।

## ज्येष्ठ साहित्यकारों व कलाकारों से मानधन सम्मान योजना का लाभ लेने का आह्वान

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र शासन द्वारा संचालित राजर्षि शाहू महाराज ज्येष्ठ साहित्यिक एवं कलाकार मानधन सम्मान योजना के अंतर्गत पात्र वरिष्ठ साहित्यकारों एवं कलाकारों से 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 के बीच ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ लेने की अपील की गई है। यह जानकारी जिला परिषद पालघर के ग्रामपंचायत विभाग के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील ने दी।

उन्होंने बताया कि साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में लंबे समय तक उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ साहित्यकारों व कलाकारों को सम्मानित करने तथा उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार यह योजना संचालित कर रही है। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को नियमित मानधन प्रदान किया जायेगा और उनके कार्यों का सम्मान भी किया जायेगा।

इच्छुक पात्र लाभार्थियों को आपले सरकार सेवा केंद्र पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां संबंधित समूह विकास अधिकारी (बीडीओ) के माध्यम से जमा करनी होंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आवेदन करने से पहले पात्रता मानदंड, आवश्यक दस्तावेज और अन्य शर्तों की जानकारी सावधानीपूर्वक जांच लें। पात्र वरिष्ठ साहित्यकारों व कलाकारों से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन कर योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है। इस योजना से साहित्य, कला और सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वरिष्ठ व्यक्तियों को आर्थिक संबल मिलने के साथ-साथ उनके कार्यों को शासन स्तर पर उचित सम्मान और पहचान भी प्राप्त होगी।

# हिंदी भाषा रत्न सम्मान से अलंकृत हुए प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी

**सतारा/मुंबई(उत्तरशक्ति)।** राज्य हिंदी शिक्षक महामंडल एवं सतारा जिला हिंदी अध्यापक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रभाषा भवन, शिवाजी पेठ, सतारा में आयोजित एक गरिमामय समारोह में हिंदी, शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी को प्रतिष्ठित हिंदी भाषा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में प्रदेशभर से आए शिक्षकों, साहित्यकारों, शोधकताओं एवं हिंदी सेवियों ने उनकी उल्लेखनीय सेवाओं की मुक्त कंठ से सराहना की।

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी श्री जे.जे.टी. विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रोफेसर एवं शोध आचार्य हैं। इसके साथ ही वे हिंदी साहित्य भारती, महाराष्ट्र के अध्यक्ष तथा भारतीय जनता पार्टी, मुंबई के प्रवक्ता के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षा, समाज और राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई है।

मुंबई के अनेक प्रतिष्ठित दैनिक एवं साप्ताहिक समाचार पत्रों में उनके नियमित स्तंभ, विचार लेख और समसामयिक विश्लेषण प्रकाशित होते हैं, जिन्हें पाठकों का व्यापक स्नेह और सम्मान प्राप्त है। करियर मार्गदर्शन, शिक्षा नीति, राष्ट्रभाषा, सामाजिक सरोकार और राष्ट्रीय चिंतन जैसे विषयों पर उनकी लेखनी विशेष रूप से चर्चित रहती है। साहित्य जगत में भी वे एक सशक्त चिंतक, प्रेरक वक्ता और सक्रिय लेखक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि

प्रो. डॉ. तिवारी ने अपने अध्यापन, शोध, साहित्य सृजन और जनजागरण के माध्यम से हिंदी भाषा के संवर्धन एवं प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

उन्होंने नई पीढ़ी को हिंदी के प्रति जागरूक करने और भाषा को आधुनिक संदर्भों से जोड़ने का सतत प्रयास किया है। सम्मान ग्रहण करते हुए प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी ने इसे हिंदी भाषा, अपने विद्यार्थियों, सहकर्मियों और साहित्य प्रेमियों को समर्पित बताते हुए कहा कि ह्लहिंदी केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और जनभावनाओं की आत्मा है।ह्व उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी वे हिंदी के प्रचार-प्रसार और साहित्यिक उन्नयन के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

समारोह के अंत में उपस्थित शिक्षकों, विद्वानों और गणमान्य अतिथियों ने प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी को बधाई देते हुए उनके दीर्घ, समर्पित और प्रेरणादायी योगदान को हिंदी जगत की अमूल्य धरोहर बताया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह सम्मान हिंदी भाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति उनके अथक समर्पण का सशक्त प्रमाण माना गया।

## मीरारोड में बिल्डिंग का छज्जा गिरा, बड़ा हादसा टला

**मीरारोड।** बुधवार रात्रि हुई भारी वर्षा के दौरान गांवदेवी स्थित राजश्री शॉपिंग सेंटर में एक बिल्डिंग का छज्जा अचानक गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति का बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे के प्रयासों से अग्निशमन विभाग की टीम को तत्काल मौके पर बुलाया गया। अग्निशमन कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भवन के शेष जर्जर एवं खतरनाक हिस्सों को सुरक्षित रूप से हटाया तथा गिरे हुए मलबे की सफाई कर क्षेत्र को सुरक्षित बनाया। इस दौरान स्थानीय रहवासियों ने भी प्रशासन और बचाव दल का भरपूर सहयोग किया, जिससे राहत एवं सुरक्षा कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सका। नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे ने अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों, स्थानीय नागरिकों तथा सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में नागरिक जर्जर इमारतों और ढीले निर्माण हिस्सों से सतर्क रहें तथा किसी भी खतरे की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया गया।

## रिक्शा में सफर कर रही महिला से गहने चोरी करने वाली शातिर महिला गिरफ्तार

### मानिकपुर अपराध जांच टीम की बड़ी सफलता

**वसई (उत्तरशक्ति)।** रिक्शा में सफर कर रही महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गहने चोरी करने वाली शातिर महिला को मानिकपुर पुलिस की अपराध जांच टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 12 लाख रुपये मूल्य का माल बरामद किया गया है। साथ ही, महिला आरोपी से विभिन्न पुलिस थानों के 10 अन्य अपराधों का भी खुलासा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता श्रीमती मेरी पॉल सिरवेल ने मानिकपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि 5 जून 2026 को दोपहर के समय वह गोखीवारे नाका से वसई स्टेशन की ओर रिक्शा से जा रही थीं। इसी दौरान अज्ञात आरोपियों ने उनके बैग से लगभग 80 ग्राम वजन की सोने की चेन तथा चार सोने की चूड़ियां चोरी कर लीं। इस मामले में मानिकपुर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 308/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 303(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त परिक्षेत्र-2 अशोक विरकर तथा सहायक पुलिस आयुक्त वसई नवनाथ घोगरे के मार्गदर्शन में मानिकपुर और वसई पुलिस की अपराध जांच शाखा ने जांच शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण तथा तकनीकी एवं गोपनीय जानकारी के आधार पर पुलिस ने महिला आरोपी मंजू देवी सोनू सिंह उर्फ बावरी (32), निवासी नायगांव पश्चिम, जिला पालघर, मूल निवासी फरीदाबाद, हरियाणा को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी महिला का पति सोनू हुकुम सिंह भी इस अपराध में शामिल है। इसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी मंजू देवी से पूछताछ कर उसके कब्जे से करीब 8 लाख रुपये मूल्य की 80 ग्राम सोने की चेन और चार सोने की चूड़ियां बरामद कीं। वहीं, आरोपी सोनू हुकुम सिंह के पास से एक मोटरसाइकिल समेत लगभग 4 लाख रुपये मूल्य का अन्य सामान जब्त किया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी महिला मंजू देवी सोनू सिंह उर्फ बावरी अन्य पुलिस थानों में दर्ज 10 मामलों में भी शामिल रही है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर, सहायक पुलिस आयुक्त नवनाथ घोगरे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हरिलाल जाधव के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक विकास सुकलवाड, सचिन दोरकर, अनिल चव्हाण, शमेश चंदनशिवे, मंगेश जगताप, गोविंद लवटे, आनंद गाडे, प्रवीण कांडे, भालचंद्र बागुल और अमोल बर्डे सहित अपराध जांच टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी।

## पीपीएफएएस पेंशन ने अंधेरी, मुंबई में किया अपने पहला ऑफिस का शुभारंभ

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** पीपीएफएएस पेंशन ने आज अंधेरी में अपने पहले ऑफिस का शुभारंभ किया। यह कंपनी के विस्तार में एक अहम पड़ाव है, जिससे मुंबई में इसकी मौजूदगी और मजबूत हुई है। नया कॉर्पोरेट ऑफिस 701, 7th फ्लोर, 349 बिजनेस पॉइंट कमर्शियल प्रेमिसेस को-ऑप सोसाइटी लिमिटेड, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई 400 069 यहा पर है. ऑफिस का विमोचन पीपीएफएएस पेंशन के प्रस्तावित चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पृथ्वीनाथ रेड्डी और प्रस्तावित चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर अभिषेक गोयनका की मौजूदगी में हुआ। इस इवेंट में पीपीएफएएस ग्रुप के जाने-माने लोग भी शामिल हुए। इस मौके पर बोलते हुए, पृथ्वी नाथ रेड्डी ने कहा, हम मुंबई में अपना पहला ऑफिस खोलकर बहुत खुश हैं। हम अभी अपनी नेशनल पेंशन सिस्टम सर्विसेज शुरू करने के लिए जरूरी ऑपरेशनल और रेगुलेटरी प्रोसीजर पूरे कर रहे हैं। मिस्टर रेड्डी ने आगे कहा, अंधेरी में यह ऑफिस इन्वेस्टर्स के साथ बातचीत करने और नेशनल पेंशन सिस्टम के

जरिए रिटायरमेंट प्लानिंग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक खास हब के तौर पर काम करेगा। साथ ही, यह पीपीएफएएस पेंशन के लंबे समय तक पैसा बनाने के कमिटमेंट को और मजबूत करेगा।

## साकीनाका के खाड़ी क्रमांक तीन में गंदे पानी के जमाव से नागरिक त्रस्त

### निचले इलाकों में मोटर पम्प बिठाने की मांग

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** केंद्र तथा राज्य सरकार और मनपा जहां एक तरफ पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान चला रही है वहीं साकीनाका के खाड़ी क्रमांक तीन वार्ड क्रमांक १६१ की झोपड़पट्टियों में शुरूवाती बरसात में ही गंदे पानी के जमाव से नागरिक और राहगीरों को को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के शुरू होने के पूर्व ही जहां मनपा की ओर से जलजमाव वाले इलाकों में पानी निकासी के लिए मोटर लगाया गया है वहीं खाड़ी क्रमांक तीन में जलजमाव होने के बाद भी मोटर नहीं बिठाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले तीन दशक से साकीनाका के खाड़ी क्रमांक तीन और मिलिंद नगर झोपड़पट्टी में बरसात के दौरान हमेशा ही जलजमाव हुआ करता है। उसके बाद भी मनपा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से पानी निकासी का कोई ठोस उपाय नहीं किया गया। जिसके कारण बरसात के इस मौसम में यहां के निवासियों को गंदे पानी में से होकर आना जाना पड़ता है। बता दें कि मंगलवार से शुरू हुई बारिश में नागरिकों को आने जाने में में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है । स्थानीय युवा समाजसेवक और शिंदे गुट के शिवसैनिक प्रदीप बंड ने बताया कि मिलिंद नगर और राजीव नगर झोपड़पट्टी से बरसात के दौरान सुंदरबाग और हिमालय सोसाइटी के सामने की पहाड़ी का गंदा पानी बहकर आता है जिससे यहां जलजमाव हुआ करता है । बंड के अनुसार बरसात के दौरान यहां हमेशा ही जलजमाव हुआ करता है लेकिन मनपा द्वारा पानी निकासी के लिए अभी तक कोई ठोस उपाय नहीं किया गया। शिवसैनिक प्रदीप बंड ने कुर्ला एल वार्ड के संबंधित अधिकारियों से मिलिंद नगर और राजीव नगर झोपड़पट्टी में पानी निकासी के लिए मोटर बिठाने की मांग की है।

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्लेसमेंट ड्राइव को मिला उत्साहजनक प्रतिसाद, 177 युवाओं ने लिया हिस्सा

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** जिला कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र, पालघर द्वारा बुधवार 24 जून 2026 को आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्लेसमेंट ड्राइव को युवाओं का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। रोजगार मेले में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने पहुंचे।

इस प्लेसमेंट ड्राइव में चार नामांकित कंपनियों ने भाग लेते हुए कुल 110 रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया संचालित की। रोजगार मेले के दौरान 177 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया, जिनमें से 30

उम्मीदवारों का प्राथमिक चयन तथा 5 उम्मीदवारों का अंतिम चयन किया गया। रोजगार मेले में ब्लूस्टार लिमिटेड, एशियन पेंट्स, इंटरनेशनल वायरनेटिंग तथा यूनिकेयर हेल्थकेयर जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उन्होंने उम्मीदवारों की योग्यता के अनुसार विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार लिए। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एकलव्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, पालघर, रोजगार मेला समन्वय समिति के सदस्य तथा जिला कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह संपूर्ण कार्यक्रम रोजगार मेला नोडल अधिकारी रविंद्र सुरवसे तथा सहायक आयुक्त के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उपस्थित युवाओं ने रोजगार मेले की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उपक्रमों से स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार प्राप्त करने के बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

## भिवंडी में नाला सफाई की खुली पोल, 2.44 करोड़ खर्च, फिर भी पहली बारिश में जलभराव, मजदूर कचरा बहाने में जुटे!

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** मानसून की पहली बारिश ने ही भिवंडी महानगरपालिका के नाला सफाई अभियान की हकीकत उजागर कर दी है। एक ओर बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली, तो दूसरी ओर शहर के कई इलाकों में जलभराव और गटर जाम की समस्या ने मनपा प्रशासन के दावों की पोल खोलकर रख दी। शहर के घूंघटनगर, शांतिनगर, तीनबत्ती, भाजी मार्केट सहित कई क्षेत्रों में पहली ही बारिश में पानी जमा हो गया। वहीं नवी बस्ती क्षेत्र में गटर जाम होने से गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालात इतने खराब हो गए कि परेशान नागरिकों को खुद ही गटर की सफाई के लिए मैदान में उतरना पड़ा। गौरतलब है कि भिवंडी मनपा ने इस वर्ष नाला सफाई कार्य के लिए 2 करोड़ 44 लाख 65 हजार रुपये का ठेका विभिन्न ठेकेदारों को दिया था। मानसून पूर्व नालों की सफाई पूरी करने और जलभराव रोकने के बड़े-बड़े दावे किए गए थे। मनपा आयुक्त अनमोल सागर और महापौर नारायण चौधरी ने भी साफ शब्दों में कहा था कि

सफाई नहीं तो बिल नहीं, लेकिन पहली ही बारिश में हालात देखकर यह सवाल उठने लगा है कि आखिर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पानी निकासी व्यवस्था क्यों ध्वस्त हो गई? सबसे चौंकाने वाली तस्वीर तब सामने आई जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में कुछ मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था के नाले में उतरकर जमा कीचड़ और कचरे को बाहर निकालने के बजाय पानी के बहाव में आगे धकेलते नजर आ रहे हैं। यह दृश्य न केवल सफाई कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है, बल्कि मजदूरों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नाला सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई है। यदि समय रहते नालों से गाद और कचरा पूरी तरह निकाला गया होता तो पहली ही बारिश में शहर के कई हिस्सों में जलभराव की नौबत नहीं आती। नागरिकों का कहना है कि कागजों पर सफाई दिखाकर सरकारी धन की बबार्दी की गई है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। अब शहरवासियों की निगाहें मनपा आयुक्त और महापौर पर टिकी हैं। सवाल यह है कि जब स्वयं प्रशासन ने ₹सफाई नहीं तो बिल नहीं₹ का नारा दिया था, तो क्या अब नाला सफाई में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी? या फिर हर साल की तरह इस बार भी करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद जवाबदेही तय किए बिना मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

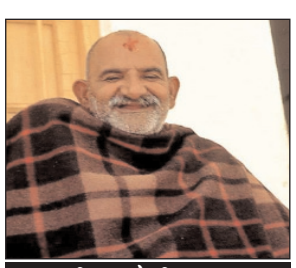

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com




स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# घर में फंदे से लटकताब मिला महिला का शव, जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के ढलघर टोला मोहल्ले में मंगलवार शाम एक महिला का शव घर के अंदर दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकता मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को फंदे से नीचे उतरवाकर जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ढलघर टोला निवासी 54 वर्षीय शाजिता परवीन पत्नी अबू सहमा घर में अकेली थीं। उनका लगभग 15 वर्षीय बेटा मिस्बाह किसी कार्य से वाराणसी गया हुआ था, जबकि पति काम पर गए थे।

बताया जाता है कि शाम करीब 7 बजे जब परिजन घर पहुंचे तो काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दरवाजे के ऊपर

बने जंगले से झांककर देखा गया तो महिला दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकी हुई दिखाई दीं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर चौकी प्रभारी जयदीप कोल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों हेड कांस्टेबल शमीम अख्तर एवं हेड कांस्टेबल अरुण कुमार यादव की सहायता से महिला को फंदे से नीचे उतारकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार महिला कई घंटों तक कमरे के अंदर फंदे से लटकी रही। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# पीडब्ल्यूडी की सड़क पर उठे सवाल, किसान बोला- मेरी पूरी जमीन हो जाएगी खत्म

## नरौली में सड़क निर्माण विवाद गहराया, मुख्यमंत्री से जांच की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के नरौली गांव में विधायक निधि से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर नया विवाद सामने आया है। गांव निवासी तिलकधारी पुत्र रामभरत ने मुख्यमंत्री सहित जिला प्रशासन को प्रार्थना पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि सड़क का निर्माण निर्धारित सेक्टर मार्ग संख्या 1222 के वास्तविक स्थान पर न कराकर दूसरे स्थान पर कराया जा रहा है, जिससे उनकी पूरी कृषि भूमि समाप्त होने की स्थिति पैदा हो गई है।

प्रार्थी के अनुसार ग्राम नरौली में विधायक निधि से सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। आरोप है कि सेक्टर मार्ग संख्या 1222 का पश्चिमी भाग लगभग 48 मीटर लंबाई तक निर्माण की जद में है, जबकि उक्त मार्ग अपने वास्तविक स्थान पर चिन्हित नहीं किया गया है। तिलकधारी का कहना है कि यदि सड़क का निर्माण वर्तमान प्रस्तावित स्थान पर किया गया तो उनकी चक संख्या 1107, जिसका क्षेत्रफल मात्र 0.025 हेक्टेयर है, पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा अन्य चकधारक भी प्रभावित होंगे।

शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने 2 जून से लेकर 16 जून 2026 तक मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी सदर को कई बार प्रार्थना पत्र देकर सेक्टर मार्ग संख्या 1222 की राजस्व टीम गठित कर पैमाइश कराने की मांग की थी। उनका कहना है कि जिलाधिकारी ने मामले में टीम बनाकर पैमाइश कराने के निर्देश भी दिए थे।

प्रार्थी ने क्षेत्रीय लेखपाल राजेश कुमार की आख्या रिपोर्ट पर भी सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि लेखपाल द्वारा जो रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, उसमें तथ्यों को गलत तरीके से दर्शाया गया है। तिलकधारी का कहना है कि 1 जून को केवल सेक्टर मार्ग संख्या 1149 की पैमाइश की गई थी, जबकि रिपोर्ट में चकमार्ग संख्या 1112, 1113 तथा सेक्टर मार्ग 1222 की पैमाइश दर्शा दी गई। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर उनकी फोटो और हस्ताक्षर लिए गए, लेकिन उनका संबंध केवल सेक्टर मार्ग 1149 की पैमाइश से था।

प्रार्थी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सड़क निर्माण से पहले सेक्टर मार्ग संख्या 1222 की राजस्व एवं तकनीकी टीम द्वारा निष्पक्ष पैमाइश कराकर सही स्थान चिन्हित किया जाए तथा उसी आधार पर निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि यदि बिना पैमाइश के पुराने अथवा विवादित स्थान पर सड़क बना दी गई तो भूमि विवाद और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मामले को लेकर ग्रामीणों में भी चर्चा का माहौल है। अब निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि शिकायत की जांच के बाद सड़क निर्माण को लेकर क्या निर्णय लिया जाता है।

# मोहर्रम की सातवीं पर अलम का जुलूस निकला

## करीब 18 ताजिया चौक के ताजियादारों ने भाग लिया

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर में सातवीं मोहर्रम के मौके सुन्नी समुदाय द्वारा हजरत अब्बास अलमबरदार की याद में अलम का जुलूस निकाला गया। जुलूस देर शाम पुरानी बाजार से होते हुए तकिया स्थित करबला पहुँचा। जहाँ ताजियादारों ने फातेहा दरूद पढ़ा। नगर में मंगलवार की दोपहर अलग-अलग ताजियादारों द्वारा अपनी-अपनी चौक से सातवी मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। जुलूस सामूहिक रूप से पुरानी बाजार में एकत्रित होकर दुर्गा मन्दिर रोड होते हुए तकिया स्थित करबला पहुँचा। जुलूस में शामिल ताजियादार अपने-अपने समूह के साथ ढोल व ताशा बजाते अलम के साथ आगे बढ़ रहे थे। जुलूस मे शामिल ताजियादार करबला पहुँच कर दरूद फातेहा पढ़े। जहाँ से वापस लौटते हुए अपने अपने चौक पर कार्यक्रम समाप्त हुआ। उमस भरी भीषण गर्मी में समाजसेवियों ने जगह-जगह स्टॉल लगाकर पानी व शर्बत पिलाने का पुनीत कार्य किया। जुलूस में मुख्य रूप से इलियास खान मोनू, सलीम अहमद, इकराम खान, तबरेज अशर्फी, एजाज सलमानी, परवेज अंसारी, मोहम्मद रजा आदि शामिल रहे। जुलूस का संचालन मुहम्मद असलम खान ने किया। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिऐ मौजूद रहे।

# भरत तिवारी एनकाउंटर के विरोध में मछलीशहर में निकाला गया कैंडल मार्च

**अरशद अली**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भरत तिवारी के कथित एनकाउंटर के विरोध में मंगलवार को मछलीशहर क्षेत्र में लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों

में मोमबत्तियां लेकर शांतिपूर्ण मार्च निकाला और भरत तिवारी की मौत को लेकर सवाल उठाते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। इस दौरान लोगों ने कहा कि घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके। कैंडल मार्च में शामिल लोगों ने प्रशासन से मामले की पारदर्शी जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। मार्च के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। कार्यक्रम के अंत में प्रदर्शनकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और न्याय की मांग को लेकर अपना ज्ञापन संबंधित अधिकारियों को सौंपने की बात कही।

# रोडवेज बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत नगर के आजमगढ़ मार्ग स्थित बैंक आफ बड़ौदा के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की रोडवेज बस की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आजमगढ़ जनपद के पवई थाना क्षेत्र के शेरजहांपुर गांव निवासी 45 वर्षीय विवेकानंद सिंह पुत्र सत्यव्रत सिंह रोज कि भांति बुधवार की सुबह शाहगंज आये हुए थे। उन्हें जौनपुर अपने रिश्तेदारी में गृह प्रवेश में शामिल होने के लिए जाने की तैयारी में सामान खरीद कर बाइक से आ रहें थे कि नगर के आजमगढ़ मार्ग स्थित बैंक आफ बड़ौदा के समीप रोडवेज की चपेट में आने से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने आनन-फानन में घायल को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में लाएं। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस ने मृतक के परिजनों को दें शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक विवेकानंद तिराहे के समीप एक मार्ट पर रोजाना आते थे। मृतक के दो बच्चे हैं। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# किशोरी के अपरहण व पाक्सो एक्ट का वांछित आरोपित चढ़ा पुलिस के हत्थे

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बकुची गांव से एक सप्ताह पूर्व एक किशोरी को अगवा करने के मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने एक आरोपित के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपित को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया गया। क्षेत्र के नेवादा बकुची गांव निवासी सुषमा यादव पत्नी अजय कुमार यादव ने आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के पाइन्दापुर हुब्बीगंज निवासी सूर्य भान यादव पुत्र महेन्द्र यादव पर अपनी नाबालिग पुत्री किंजल यादव को घर से अगवा करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपित युवक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटीं हुई थी।कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने हमराहियों संग आजमगढ़ मार्ग स्थित कांशीराम आवास के समीप से अपहृता की बरामदगी कर परिजनों को सौंप आरोपित युवक को गिरफ्तार कर सम्बंधित धाराओं में दर्ज मुकदमे में चालान भेज दिया।

# सरेआम अवैध हथियार से फायरिंग, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में एक युवक द्वारा सरेआम अवैध पिस्टल से फायरिंग किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवक खुलेआम हथियार लहराते हुए फायरिंग करता दिखाई दे रहा है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान जितेंद्र यादव उर्फ नागे पुत्र विपत यादव, निवासी ग्राम जमीन पकड़ी, थाना सराय ख्वाजा के रूप में बताई जा रही है। हालांकि वीडियो की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल बढ़ गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस वीडियो की जांच और युवक की पहचान की पुष्टि में जुट गई है। यदि वीडियो सही पाया जाता है तो आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम समेत अन्य संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह हथियारों का प्रदर्शन और फायरिंग कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। अब सभी की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं।

नोटः वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही तथ्यों की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट होगी।

# वाराणसी में अभी और सताएगी गर्मी, 27 जून तक लू का अलर्ट

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। काशी में मंगलवार देर रात कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने के बावजूद मौसम में अपेक्षित राहत देखने को नहीं मिली। बुधवार सुबह तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन वातावरण में बनी नमी और गर्म हवाओं के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह के समय तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले दिनों की तुलना में थोड़ा कम रहा, हालांकि मौसम अब भी असहज बना हुआ है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि रात में हुई हल्की वर्षा के कारण तापमान में सीमित कमी आई है, लेकिन गर्म हवाओं और उच्च आर्द्रता के चलते लोगों को राहत महसूस नहीं हो रही है। वर्तमान समय में शहर में लगभग 18 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, जबकि वातावरण में नमी का स्तर करीब 49 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

**अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकती है गर्मीः** मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में

**28 के बाद बदल सकता है मौसम**

फिलहाल गर्म और शुष्क मौसम का प्रभाव बना रहेगा। विभाग का कहना है कि 27 जून तक वाराणसी सहित आसपास के जिलों में लू जैसी परिस्थितियां देखने को मिल सकती हैं। इस दौरान दिन के समय तापमान सामान्य से ऊपर बना रह सकता है और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

हालांकि मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 28 जून के बाद परिस्थितियों में बदलाव शुरू हो सकता है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और मानसूनी गतिविधियों के सक्रिय होने से क्षेत्र में बारिश की संभावना बढ़ेगी, जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है।

**देश के सबसे गर्म शहरों में बना हुआ है वाराणसीः** पिछले कई दिनों से वाराणसी देश के सबसे अधिक तापमान वाले शहरों की सूची में लगातार शामिल रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार शहर का स्थान लगातार दूसरे से चौथे नंबर के बीच बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय सूर्य की सीधी किरणें कर्क रेखा के आसपास पड़ रही हैं, जिसका प्रभाव पूर्वांचल के क्षेत्रों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

भौगोलिक स्थिति के कारण वाराणसी में इन दिनों सामान्य से अधिक गर्मी महसूस की जा रही है। यही वजह है कि दिन और रात दोनों समय तापमान सामान्य स्तर से ऊपर बना हुआ है।

# जौनपुर में राम मंदिर में कथित चोरी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

## ◆ हाईकोर्ट जजों की निगरानी में जांच की मांग

**प्रियेश गुप्ता रुद्रा**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में कथित चंदा चोरी और दान पेटी से करोड़ों रुपये की लूट के आरोपों को लेकर बुधवार को जौनपुर में कांग्रेस

कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने धरना-प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा।

धरने को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। मंदिर से जुड़े कथित चोरी और गबन के आरोपों ने देशभर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर हाईकोर्ट के सिटिंग जजों के पैनल की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

राकेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि सरकार एसआईटी जांच के माध्यम से मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान, सोने-चांदी के आभूषण, कीमती शिलाओं तथा ट्रस्ट से जुड़े जमीन खरीद मामलों की भी स्वतंत्र और पारदर्शी जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरने को महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेखा सिंह, राकेश सिंह डब्बू, डॉ. राकेश मिश्र रमंगला गुरु, अनिल दुबे आजाद और लाल प्रकाश पाल सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

इस दौरान इरशाद खान, मनभावती दूबे, फैयाज हाशमी, जयप्रकाश मिश्रा, जब्बार अली सलमानी, मोहम्मद ताहिर, डॉ. दिलीप यादव, अश्विनी मौर्य, अजय सोनकर, रोहित सोनकर, राजकुमार गुप्ता, अरविंद यादव, अजीम शेख, प्रेमचंद एडवोकेट, सरिता यादव, संदीप निषाद, अर्चना देवी, मन्नू प्रजापति, तौसीफ अहमद, रईस अहमद, उमर इकबाल समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# साहस, शौर्य और मातृभूमि के प्रति समर्पण ही वीरांगना रानी दुर्गावती की है पहचानः राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी जौनपुर द्वारा गोंडवाना साम्राज्य की महान वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके साहस, शौर्य और मातृभूमि के प्रति समर्पण को याद किया। रानी दुर्गावती ने 24 जून 1564 को अपने स्वाभिमान और राज्य की रक्षा के लिए वीरगति प्राप्त की थी, जिसके सम्मान में यह दिन बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की महान वीरांगनाओं में से एक थीं, जिन्होंने अन्याय और आक्रमण के सामने कभी सिर नहीं झुकाया। उनका जीवन संघर्ष, साहस और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है।

आज उनके पदचिन्हों पर चलने

का पुनः संकल्प लेते हैं।

इस अवसर पर गोष्ठी को पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, ज़िला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल हीरालाल विश्वकर्मा महेंद्र प्रताप यादव नेपाल, जिला सचिव अजय त्रिपाठी, गोंड महासभा के ज़िला उपाध्यक्ष उदयराज गोंड, श्यामनारायण बिंद, हरिश्चंद प्रभाकर, दिलीप प्रजापति, अशोक यादव नायक आदि ने संबोधित किया।

विचार गोष्ठी का संचालन करते हुए ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने कहा कि रानी दुर्गावती का बलिदान देश की महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में समानता, न्याय और सम्मान की भावना को मजबूत करना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकरियों में सदर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष वीरेंद्र, राजपति गोंड, प्रदीप गोंड, प्रमोद गोंड, मोहन गोंड, पूनम यादव, प्रदीप पाल, रवि यादव, सुनील वासुदेव यादव, गोविंद यादव, कमलेश बिंद, सद्दाम सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे।

# लखनऊ अग्निकांड के बाद जागा शाहगंज प्रशासन, कोचिंग संस्थानों व अस्पतालों का गहन निरीक्षण

## बेसमेंट और संकरे क्षेत्रों में संचालित संस्थानों की हुई जांच, कई जगह मिली खामियां

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद शासन के निर्देश पर जनपद भर में

बेसमेंट एवं संकरे क्षेत्रों में संचालित कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों और अस्पतालों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शाहगंज कुणाल गौरव के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी (सीओ) शाहगंज गिरेन्द्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह तथा अग्निशमन विभाग के उपनिरीक्षक आनंद प्रताप सिंह ने नगर के विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण टीम ने आजमगढ़ रोड स्थित एजुराइज कोचिंग सेंटर, योगीनाथ तिराहा क्षेत्र तथा जौनपुर रोड स्थित डॉ. अब्दुल्ला अस्पताल का गहन निरीक्षण किया। जांच के दौरान अस्पताल के बेसमेंट में गतिविधियां संचालित पाए जाने पर अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की। सीओ गिरेन्द्र सिंह ने अस्पताल प्रबंधन को नियमों का पालन करने की चेतावनी देते हुए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

### तीन कोचिंग संस्थानों को नोटिस की तैयारी

इस संबंध में सीओ शाहगंज गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि नगर के कई कोचिंग संस्थानों और अस्पतालों का निरीक्षण किया गया है। जांच के दौरान मिली अनियमितताओं के आधार पर तीन कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

**-गिरेन्द्र सिंह**, क्षेत्राधिकारी (डिप्टी एसपी), शाहगंज

एसडीएम कुणाल गौरव ने अस्पताल से संबंधित सभी दस्तावेज जांच के लिए उपलब्ध कराने को कहा।

वहीं सुल्तानपुर रोड स्थित सरस्वती डिजिटल लाइब्रेरी एवं कोचिंग संस्थान के निरीक्षण में कई कमियां मिलने पर एसडीएम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आधे घंटे के भीतर संस्थान बंद करने के निर्देश दिए। दूसरी ओर एजुराइज कोचिंग सेंटर को भी आवश्यक सुरक्षा मानकों एवं दस्तावेजों के संबंध में निर्देश जारी किए गए।

अचानक हुई प्रशासनिक कार्रवाई से नगर के कोचिंग संचालकों, पुस्तकालय संचालकों तथा अस्पताल प्रबंधनों में हड़कंप की स्थिति रही। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# 12 वर्ष से अधिक अवधि से लम्बित दीवानी वाद से सम्बंधित भूमि विवाद/ प्रकरण निस्तरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसीलदार बदलापुर ने अवगत कराया है कि तहसील बदलापुर

अवस्थित राजस्व ग्राम पहितियापुर में जटाशंकर पुत्र राम मूरत व दयाशंकर पुत्र रामसूरत तथा शेषनाथ व भवनाथ पुत्रगण राम शिरोमणि के बीच पुश्तैनी भूमि को लेकर विगत दशकों से विवाद चला रहा था। पक्ष द्वारा सिविल न्यायालय में इस हेतु पूर्व में वाद योजित किया गया था। इस भूमि पर मकान आदि का निर्माण पक्ष नहीं कर पा रहे थे।

जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण का निस्तारण कराए जाने का अनुरोध किया गया। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर पक्षों में सामंजस्य बैठाकर निस्तारन कराने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी के आदेश के क्रम में तहसीलदार बदलापुर व थाना प्रभारी, सिंगरामऊ द्वारा संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मौके पर पहुंचकर सम्पूर्ण प्रकरण का सिलसिलेवार परीक्षण किया गया। सभी पक्षों को क्रम से सुना गया। पक्ष वार्ता करने पर सहमति से प्रकरण के निस्तारण हेतु तैयार हो गए।

तत्काल राजस्व टीम द्वारा मौके पर उपलब्ध सम्पूर्ण भू रकबे की पैमाइश की। पैमाइश उपरांत सभी पक्षों को सम्मिलित कर उनका पारीवारिक सेजरा बनाया गया। सेजरे के अनुसार अंश निर्धारित कर सभी का वाजिब हक का रकबा अलग -अलग चिह्नित किया गया। चिह्नित रकबे के अनुरूप पक्षों द्वारा पिलर आदि गड़वाकर नींव का कार्य भी शुरू करवा दिया गया। सभी पक्षों द्वारा इस लंबे विवाद के निस्तारण हो जाने पर खुशी जाहिर की व उपस्थित राजस्व व पुलिस टीम को धन्यवाद दिया।

# मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिकरारा, बाकी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदपुर सिकरारा का निरीक्षण किया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिकरारा के निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए तथा स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अधीक्षक को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समय से उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। साथ ही मरीजों के बैठने एवं स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाकी, सिकरारा का भी निरीक्षण किया गया।

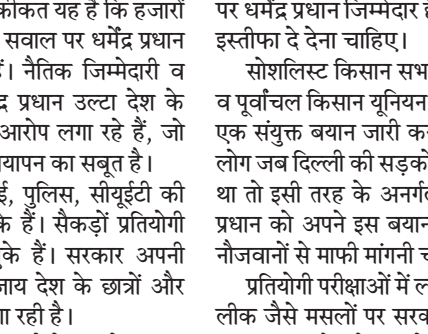


निरीक्षण के दौरान डॉ. सुनील कुमार अनुपस्थित पाए गए, जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा उनका एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। साथ ही उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे समय से उपस्थित रहकर अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं।

इसके उपरांत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदपुर सिकरारा का निरीक्षण किया गया, जहां सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए तथा ओपीडी का कार्य नियमित रूप से संचालित हो रहा था। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने निर्देशित किया कि स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले सभी मरीजों को शासन द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं तथा मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

# सोशलिस्ट किसान सभा और पूर्वांचल किसान यूनियन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बयान की कड़े शब्दों में की निंदा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जंतर मंतर पर पेपर लीक के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे छात्रों और नौजवानों को दहशतगर्द करार दिया है। उनका कहना है कि ये लोग समाज में नफरत और हिंसा फैलाने वाले लोग हैं, दहशतगर्द हैं, देश में भय का वातावरण बना रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि हजारों की संख्या में छात्र पेपर लीक के सवाल पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। नैतिक जिम्मेदारी व जवाबदेही लेने के बजाय धर्मेंद्र प्रधान उल्टा देश के नौजवानों और छात्रों पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं, जो धर्मेंद्र प्रधान के मानसिक दिवालियापन का सबूत है।

नीट से लेकर लेखपाल, जेई, पुलिस, सीयूईटी की परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। सैकड़ों प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। सरकार अपनी कमियों को दुरुस्त करने के बजाय देश के छात्रों और नौजवानों पर अनर्गल आरोप लगा रही है।

पेपर लीक जैसी घटनाओं ने छात्रों के मन में दहशत पैदा की है, जिसके कारण नीट परीक्षा देने वाले तकरीबन 17 बच्चे आत्महत्या जैसा भयावह कदम उठाने को मजबूर हो गए। हजारों की संख्या में बच्चे दहशत के कारण एंजायटी के शिकार हो गए। छात्रों में भय, कुंठा व निराशा पैदा हुई है, जिसके लिए सीधे तौर पर धर्मेंद्र प्रधान जिम्मेदार हैं। इन्हें तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

सोशलिस्ट किसान सभा के महासचिव राजीव यादव व पूर्वांचल किसान यूनियन के महासचिव विरेंद्र यादव ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग जब दिल्ली की सड़कों पर किसान आंदोलन हो रहा था तो इसी तरह के अनर्गल आरोप लगा रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान को अपने इस बयान के लिए देश के छात्रों और नौजवानों से माफी मांगनी चाहिए।

प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे भ्रष्टाचार व पेपर लीक जैसे मसलों पर सरकार को गंभीर कार्रवाई करनी चाहिए ताकि देश के बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

## डॉ सैनी बने आयुर्वेद के कार्यवाहक उपनिदेशक

**चिराना।** कस्बे के ढाकला में जन्मे जाए और जोधपुर को अपनी कर्मभूमि बनाकर करीब 28 वर्षों तक एक ही जगह सेवा देने के बाद अब एक सरकारी आदेश के अनुसार वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ भींवा राम सैनी राजकीय आयुर्वेद औषधालय शेरगढ़ को उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग जोधपुर के पद पर अतिरिक्त कार्य भार दिया गया है और अग्रिम आदेशों तक इस पद पर बने रहेंगे। इस पद की जिम्मेदारी लेते हुए डॉ सैनी बुधवार को अपना पद ग्रहण किया। उपनिदेशक का पद भार संभालने पर उनके शुभ चिंतको ने उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस दौरान डॉ मनोहर सिंह राठौड़, डॉ अंजू नागर, डॉ राजकुमार,डॉ विक्रम गोपा, डॉ केशव देव,डॉ प्रेम सुख, डॉ.अशोक मित्तल,अब्दुल सलाम चिश्ती,मदन सिंह राजपुरोहित सहित खांडा फलसा का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

## इंदौर में आवारा कुत्तों का आतंक

**इंदौर (उत्तरशक्ति)।** इंदौर के अरबिंदो अस्पताल क्षेत्र में आवारा कुत्तों ने 40 लोगों (जिनमें डॉक्टर और छात्र भी शामिल हैं) को घायल कर दिया। दहशत फैलने के बाद निगम की टीम ने 25 कुत्तों को पकड़ लिया है। बाकी कुत्तों खोजा जा रहा है। सरकार की आंखें तब खुलती हैं जब तक बड़ा हादसा न हो जाए। नगर निगम कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ था। 40 लोगो को कुत्तों द्वारा काटने के बाद ही कार्रवाई शुरू की। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

## जौनपुर में विश्वविद्यालय स्थापना की पहल, 50 एकड़ भूमि आवंटन की मांग

**जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** जिले को शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में कृष्णा द्वारका फाउंडेशन भारत ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 50 एकड़ सरकारी भूमि दीर्घकालिक पट्टे पर आवंटित करने की मांग की है। इस संबंध में फाउंडेशन के संस्थापक प्रेमचंद यादव ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि प्रस्तावित बहुविषयक विश्वविद्यालय में विश्वस्तरीय शिक्षा, आधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, कौशल विकास कार्यक्रम, उद्यमिता प्रोत्साहन तथा उद्योग आधारित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। विश्वविद्यालय का उद्देश्य क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

प्रेमचंद यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में अत्याधुनिक शैक्षणिक भवन, अनुसंधान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, छात्रावास, नवाचार एवं इन्क्यूबेशन केंद्र, खेल परिसर, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा हरित अवसंरचना विकसित की जाएगी। इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और जौनपुर एक प्रमुख शिक्षा केंद्र के रूप में उभर सकेगा। फाउंडेशन ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि आवंटित भूमि का उपयोग केवल शैक्षणिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों के लिए किया जाएगा तथा सभी सरकारी नियमों और दिशानिदेशों का पालन किया जाएगा। संस्था ने जनहित को देखते हुए विश्वविद्यालय स्थापना के लिए शीघ्र भूमि आवंटन की मांग की है। इस अवसर पर सुरेश चंद्र यादव, विकास प्रजापति, राहुल यादव, विवेक यादव एवं विकास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## चेन छिनैती करने वाले दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार, तमंचा व गला हुआ सोना बरामद

**गौराबादशाहपुर ,जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** स्थानीय थाना पुलिस ने क्षेत्र में अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा, कारतूस, नकदी और लूटी गई सोने की चेन का गला हुआ टुकड़ा बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थानाध्यक्ष गंगासागर मिश्र की अगुवाई में उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह, रामलाल और अवधेश कुमार की पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर असवारा पुलिया के पास से घेराबंदी कर केराकत थाना क्षेत्र के ग्राम बेलाव निवासी विशाल सोनकर उर्फ पंडित और ग्राम नरहन निवासी सचिन यादव को दबोच लिया।

पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि उन्होंने बीते 18 जून की शाम को निशान गांव की रहने वाली सविता यादव से उस समय बाइक से चेन छीन ली थी, जब वह सरजू देवी स्कूल की तरफ से अपने घर लौट रही थीं। इसके अलावा पकड़े गए शातिर लुटेरों ने गत 27 मई को मछलीशहर के जंघई तिराहे पर भी दिनदहाड़े एक महिला से गले की चेन छीनने की वारदात को स्वीकार किया है। पुलिस ने अभियुक्त विशाल सोनकर के पास से एक अदद देशी तमंचा, 315 बोर का जिंदा कारतूस व 3100 रुपये नकद तथा सचिन यादव के कब्जे से पीली धातु का टुकड़ा (गली हुई सोने की चेन) और 5500 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है

## कूड़े में लगी आग से दो गुमटियां जलकर खाक, बिजली आपूर्ति रही बाधित

**मो.आसिफ**

**मानीकलां,जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** गुरैनी बाजार से सटे अर्जनपुर मार्ग पर बुधवार दोपहर कूड़े में लगी आग ने बड़ा नुकसान कर दिया। आग की चपेट में आने से सड़क किनारे रखी दो बंद गुमटियां जलकर राख हो गईं, जबकि ऊपर से गुजर रही बिजली की केबल भी स्वाहा हो गई। हालांकि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार कूड़ा चुनने वाले कुछ लोगों ने कॉपर तार से तांबा निकालने के लिए कूड़े के ढेर में आग लगाई थी। उनके जाने के बाद आग धीरे-धीरे फैलकर पास में रखी बंद गुमटियों तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दोनों गुमटियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटों से ऊपर से गुजर रही बिजली की केबल भी जल गई, जिससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ और न ही किसी मूल्यवान सामान के नुकसान की सूचना है। बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए क्षतिग्रस्त केबल को बदलकर कुछ ही समय में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी। स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े में आग लगाने की घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

## संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर नगर पालिका जौनपुर में संवेदीकरण बैठक आयोजित

**जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान जुलाई 2026 के सफल संचालन के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद जौनपुर कार्यालय में अधिशासी अधिकारी धर्मराज राय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण संवेदीकरण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर पालिका के सभासदों, सुपरवाइजरों, सफाई नायकों एवं सफाई कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में अधिशासी अधिकारी धर्मराज राय, सहायक मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्र एवं अशोक कुमार ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए जनजागरूकता के विभिन्न उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि खुले में शौच से बचना, भोजन से पहले एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोना, दूषित खाद्य पदार्थों का सेवन न करना तथा घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखना संचारी रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है।

# नायगांव पुलिया परियोजना की बढ़ी लागत पर मनपा महासभा में हंगामा, प्रस्ताव टला

विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (श्श्टउ) की महासभा में नायगांव स्थित पुलिया निर्माण परियोजना की लागत में हुई भारी वृद्धि को लेकर तीखी बहस और हंगामा देखने को मिला। विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने प्रशासन पर मूल प्रस्ताव में बदलाव कर नगर निगम के खजाने पर करोड़ों रुपये का अतिरिक्त बोझ डालने का आरोप लगाया।

सोमवार, 22 जून को आयोजित महासभा में मनोज पाटिल ने कहा कि प्रशासन द्वारा बिना उचित सर्वेक्षण और योजना के प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसके कारण परियोजना की लागत लगभग दोगुनी हो गई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि प्रारंभ में तकनीकी मानकों और स्थल की वास्तविक स्थिति का सही आकलन किया गया होता तो लागत बढ़ाने की आवश्यकता क्यों पड़ती।

जानकारी के अनुसार, नायगांव में पुलिया निर्माण के लिए मई 2025 में लगभग 2 करोड़ 94 लाख रुपये का मूल प्रस्ताव तैयार किया गया था। इस योजना के तहत 4 मीटर चौड़ी पांच पुलियाओं का निर्माण किया जाना था तथा कार्यादेश भी जारी कर दिया गया था। हालांकि, वर्ष 2025 के मानसून में क्षेत्र में हुई रिकॉर्ड 3500 मिमी वर्षा और जलभराव की स्थिति के बाद प्रशासन ने पुनः स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण में पाया गया कि मौजूदा पुलियाएं जल निकासी के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसके बाद तकनीकी बदलाव करते हुए पांच में से दो पुलियाओं की चौड़ाई 4 मीटर से बढ़ाकर 9 मीटर करने, दो पुलियाओं को यथावत रखने तथा एक पुलिया को निरस्त करने का निर्णय लिया

गया। साथ ही स्टार सिटी क्षेत्र के जल निकासी प्रबंधन हेतु 250 मीटर लंबी पाइप गटर लाइन जोड़ने का प्रस्ताव भी शामिल किया गया।

नगर निगम के सिटी इंजीनियर प्रदीप पाचंगे ने महासभा में बताया कि इन तकनीकी परिवर्तनों के कारण परियोजना की मूल लागत बढ़कर 4 करोड़ 62 लाख रुपये हो गई। जीएसटी, बीमा एवं अन्य करों को जोड़ने के बाद कुल संशोधित लागत 5 करोड़ 56 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

हालांकि विपक्ष के नेता मनोज पाटिल प्रशासन के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रारंभिक योजना में गंभीर त्रुटियां थीं और अब लागत वृद्धि के माध्यम से नगर निगम के खजाने पर अनावश्यक बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने यह भी पूछा कि 3 करोड़ रुपये के आसपास की परियोजना की लागत सीधे 5.5 करोड़ रुपये तक कैसे पहुंच गई।

महासभा में बढ़ते विवाद और विपक्ष के तीखे विरोध के बीच महापौर अजीव पाटिल ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि पुलियाओं की चौड़ाई बढ़ाना क्षेत्र की जलनिकासी व्यवस्था को सुधारने के लिए तकनीकी आवश्यकता थी। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों को देखते हुए महापौर ने संबंधित प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित करने का निर्देश दिया।

महापौर ने सभी जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को संयुक्त रूप से बैठक कर परियोजना के तकनीकी पहलुओं की पुनः जांच करने तथा विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके बाद ही प्रस्ताव पर आगे निर्णय लिया जाएगा।

इस घटनाक्रम के बाद नायगांव पुलिया परियोजना एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है और नगर निगम की योजना निर्माण प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

## इंदौर में गैस पाइपलाइन ब्लास्ट, निगम करा रहा था वाटर हार्वेस्टिंग

**प्रणित नरेंद्र तिवारी**

**इंदौर (उत्तरशक्ति )।** मध्य प्रदेश के इंदौर में मंगलवार को सुमन नगर जैन मंदिर के पास अवंतिका गैस पाइपलाइन में विस्फोट हो गया। हादसे में विजय पटेल समेत कुल 4 लोग झुलस गए। घायलों में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर गिरी राजकुमारी झाला भी शामिल है। ब्लास्ट का उळळश फुटेज भी सामने आया है।वीडियो में दिख रहा है कि मौके पर 15-20 लोग मौजूद हैं। 3 बाइक सवार पास से गुजरते हैं। इनमें से तीनों आग की चपेट में आ जाते हैं। ब्लास्ट के दौरान बाइक से 2 लोग गिर जाते हैं, जबकि एक युवक ने चलती बाइक से कूदकर अपनी जान बचाई।धमाके के साथ ही आग की ऊंची लपटें उठने लगती हैं। इसी दौरान एक कार के पीछे चल रहा बाइक सवार घबराकर सड़क पर गिर जाता है। वहीं, पास में खड़े ट्रक को आग की चपेट में आने से बचाने के लिए एक युवक तेजी से उसकी ओर दौड़ता नजर आता है।

## वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय में अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन केंद्र एवं कैफेटेरिया का उद्घाटन

**वसई-विरार।** वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (वीवीएमसी) मुख्यालय में अत्याधुनिक (स्टेट-ऑफ-द-आर्ट) आपदा प्रबंधन केंद्र (डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर) एवं कैफेटेरिया का उद्घाटन महापौर अजीव पाटिल के हाथों संपन्न हुआ। मानसून के दौरान भारी वर्षा, बाढ़, तूफान, आगजनी तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा एवं त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा इस आधुनिक केंद्र की स्थापना की गई है। इस केंद्र में महानगरपालिका के विभिन्न विभागों के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि भी कार्य करेंगे, जिससे आपातकालीन स्थितियों में बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

यह आपदा प्रबंधन केंद्र नागरिकों

की सुविधा के लिए 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन कार्यरत रहेगा। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 18002334353 तथा संपर्क नंबर 7058911125 पर संपर्क कर सकते हैं। प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं पर तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उद्घाटन समारोह के दौरान महापौर अजीव पाटिल सहित उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने आपदा प्रबंधन केंद्र का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं, तकनीकी व्यवस्थाओं एवं नागरिकों को त्वरित सहायता प्रदान करने हेतु किए गए प्रबंधों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र नागरिकों की सुरक्षा तथा आपदाओं के समय प्रभावी समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके पश्चात महापौर द्वारा महानगरपालिका अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा के लिए शुरू किए गए कैफेटेरिया का भी उद्घाटन किया गया। यह कैफेटेरिया अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मनपा कार्यालय में आने वाले नागरिकों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में महापौर अजीव पाटिल, उपमहापौर मार्शल लोपिस, आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी. (बी.पी.एस.), स्थायी समिति अध्यक्ष प्रवीण शेट्टी, नेता सदन प्रफुल्ल साने, नेता प्रतिपक्ष मनोज पाटिल, नगरसेवकगण, अपर आयुक्त दीपक सावंत, उपायुक्त अजीत मुठे, उपायुक्त हर्षला राणे, मुख्य अग्निशमन अधिकारी रोहन मोरे, पत्रकार, नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। यह समाचार उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक की शैली में प्रकाशन हेतु तैयार है।

## संजय उपाध्याय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर अर्पित की श्रद्धांजलि

**मुंबई, बोरीवली।** भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी एवं देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर बोरीवली स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित जनसमूह ने उनके राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए नमन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दृढ़ संकल्प–श्एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगेश्– आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित के लिए अपना जीवन समर्पित किया, जिसे देश सदैव याद रखेगा।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विधायक संजय उपाध्याय के साथ पूर्व पार्षद प्रवीण शाह, पूर्व पार्षद विद्यार्थी सिंह, बोरीवली विधानसभा क्षेत्र के सभी पार्षद, मंडल अध्यक्ष, मंडल, वार्ड एवं बूथ स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उपस्थित जनों ने उनके आदर्शों पर चलने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

## मीरा-भायंदर महिला मोर्चा का फ्यूल कंजर्वेशन एवं खाद्य तेल बचत जनजागृति कार्यक्रम संपन्न

**मीरा-भायंदर।** भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, मीरा-भायंदर शहर द्वारा आयोजित ह्लफ्यूल कंजर्वेशन एवं खाने के तेल की बचत जनजागृति अभियानह्व के अंतर्गत ह्लबिना गैस के डिशेजह्व प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ खान-पान की संस्कृति तथा टिकाऊ जीवनशैली के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम विधायक नरेंद्र मेहता, जिला अध्यक्ष दिलीप जैन तथा महापौर डिंपल मेहता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष चित्रा किशोर वाघ के निर्देशन एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वैशाली सुभाष भोईर के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बिना गैस के तैयार किए जाने वाले पौष्टिक, स्वादिष्ट एवं नवाचारपूर्ण व्यंजन प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने यह संदेश दिया कि सीमित संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए भी स्वास्थ्यवर्धक भोजन तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा बचत, पर्यावरण संरक्षण, खाद्य तेल के संतुलित उपयोग तथा संसाधनों के जिम्मेदार उपभोग के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे जनजागृति अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और सतत विकास की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महिला मोर्चा के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं सहभागी महिला बहनों को बधाई दी गई तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया गया।

## अटल आवासीय विद्यालय योजना बनी श्रमिक परिवारों के बच्चों के सपनों की उड़ान

**जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** उत्तर प्रदेश सरकार की अटल आवासीय विद्यालय योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। आर्थिक अभाव के बावजूद बेहतर शिक्षा का सपना देखने वाले कई परिवारों के बच्चों ने इस योजना के माध्यम से सफलता की नई मिसाल कायम की है।

शाहगंज क्षेत्र के ताखा गांव निवासी दिहाड़ी मजदूर श्याम सुंदर की पुत्री जाह्नवी ने अटल आवासीय विद्यालय में अध्ययन करते हुए हाईस्कूल परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार और जनपद का गौरव बढ़ाया है। श्रम विभाग में पंजीकृत श्याम सुंदर ने बताया कि योजना के तहत निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन, पुस्तकें और अन्य सुविधाएं मिलने से उनकी पुत्री को बेहतर माहौल मिला और वह पूरी लगन से पढ़ाई कर सकी।

वहीं सिरकोनी विकासखंड के रमसापुर कबूलपुर गांव निवासी विद्योत्तमा देवी ने बताया कि बेटी और

दामाद की दुर्घटना में मृत्यु के बाद नाती सावन कुमार की शिक्षा की चिंता उन्हें सताती थी। अटल आवासीय विद्यालय योजना के तहत चयन होने के बाद सावन वर्तमान में वाराणसी स्थित विद्यालय में कक्षा-9 में अध्ययनरत है और आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

सिकरारा विकासखंड के पचोखर गांव निवासी टाइल्स मिस्त्री बुद्धिराम यादव के पुत्र वंशज ने भी इस योजना का लाभ उठाते हुए हाईस्कूल परीक्षा में 87.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय की आधुनिक सुविधाओं और उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था ने उनके पुत्र की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्रमिक परिवारों ने उत्तर प्रदेश शासन एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अटल आवासीय विद्यालय योजना गरीब और श्रमिक वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उनके सपनों को साकार करने का कार्य कर रही है। यह योजना हजारों बच्चों के जीवन में शिक्षा, आत्मविश्वास और सफलता की नई रोशनी लेकर आ रही है।

## महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जौनपुर पुलिस का जागरूकता अभियान, छात्राओं को दी महत्वपूर्ण जानकारी

**जौनपुर (उत्तरशक्ति )।** महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गठित श्शक्ति मोबाइल टीमश्र द्वारा बुधवार को नगर क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान टीम ने छात्राओं और महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला सहायता हेल्पलाइन 181 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव तथा छेड़छाड़, उत्पीड़न या किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। शक्ति मोबाइल टीम ने छात्राओं एवं महिलाओं से संवाद

स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि जौनपुर पुलिस उनकी सुरक्षा एवं सहायता के लिए हर समय तत्पर है। टीम ने सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद लोगों को भी महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति जागरूक किया। अभियान में शक्ति मोबाइल टीम की प्रभारी उपनिरीक्षक पुष्पा, मुख्य आरक्षी शिव बदन, मुख्य आरक्षी काशीनाथ यादव, आरक्षी मनोज यादव, महिला आरक्षी आरती पाण्डेय एवं महिला आरक्षी रोहणी राठौर शामिल रहीं। पुलिस विभाग ने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर इस प्रकार के जागरूकता अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे, ताकि समाज में सुरक्षा और जागरूकता का माहौल मजबूत हो सके।

## कन्या रत्न की प्राप्ति पर शुभचिंतकों ने दी शुभकामनाएं

मुंबई। कहा जाता है कि कन्या लक्ष्मी का स्वरूप होती है। इसी लक्ष्मी स्वरूप नन्हीं परी के आगमन से मिश्र परिवार में खुशी का माहौल है। विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन एवं पत्रकार आदेश मिश्र के भतीजे आकाश अनिलेश मिश्र (विक्की) को मंगलवार को कन्या रत्न की प्राप्ति हुई है। इस शुभ अवसर पर परिवारजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवजात शिशु के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। कन्या रत्न की प्राप्ति पर निवर्तमान प्रमुख मंजू चंद्रशेखर शुक्ला, श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल (रिंकू), दिवाकर मिश्र, रामबिलास पाठक, प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल,सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, एड. डी.आर. मिश्र, भोलानाथ मिश्र, प्रो. अभयकांत तिवारी, मनोज मिश्र,विमलेश मिश्र, बृजेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, अजय पांडेय, दिनेश सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, अवधेश तिवारी, रामतीर्थ शर्मा,ब्रह्मदेव दुबे,राजन सिंह, राजेश सिंह, अनिल सिंह, निलेश तिवारी, रंजीत सिंह,सन्नी सिंह, शुभम सिंह, विकास मिश्र, सचिन शुक्ल, भानु सिंह सहित अनेक शुभचिंतकों ने परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने नवजात कन्या के जीवन में सुख, समृद्धि, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे परिवार एवं समाज का गौरव बनने का आशीर्वाद प्रदान किया।